सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 20 जून, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 281, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने उसकी जड़ काटनी पड़ेगी

प्रवीण स्वामी

हत्यारों के चाकुओं ने जब उन पर अपना काम पूरा कर लिया तब शोधकर्ता, पत्रकार, कूटनीतिज्ञ लॉरेंस पॉल एलवेल-सट्टन यह सोचने लग गए कि आखिर यह किया क्यों गया - 'शालीन और सटीक पश्चिमी राजनीति को अबूझ पुरबियों से मात खानी पड़े, यह सचमुच में शायद ही ठीक है।' 1951 की गर्मियों में अतिवादी ईरानी नेता मोहम्मद मोस्सदिक ने ब्रिटेन की कीमती तेल कंपनी की शाखा एंग्लो-ईरानी तेल कंपनी का राष्ट्रीयकरण कर दिया। पश्चिमी खेमा गुस्से में आकर उनका तख्ता पलटने की गुप्त साजिश में जुट गया था क्योंकि उसे लग रहा था कि ईरान कम्युनिज़्म की ओर बढ़ रहा है।

अब इस हफ्ते इज़रायल के सटीक हवाई हमलों ने ईरान पर राज कर रहे मजहबी सत्तातंत्र के आक्रामक शाही मुखौटे को तार-तार कर दिया। ईरान की यह व्यवस्था लंबे समय से धोखे के बूते चलती रही है। ईरान की शीतयुद्ध वाले दौर की डगमगाती वायुसेना और बहुचर्चित देसी हवाई सुरक्षा अपने अहम सैन्य ठिकानों की रक्षा न कर सकी, देश के आला अधिकारी इन सटीक हमलों में मानो काट डाले गए। ईरान ने कम लागत से देश में तैयार की गई बैलिस्टिक मिसाइलों से जवाब देने की कोशिश की, लेकिन वह कारगर नहीं हुई।

इज़रायल को अगर अपनी रणनीति को सफल बनाना है तो उसने, अमेरिका और ब्रिटेन ने 1953 में जो किया था उससे आगे बढ़कर ईरान की हुकूमत को गिराना होगा। वजह सीधी-सी है - इज़रायल ने यह कोशिश की है कि मध्य-पूर्व में कोई भी प्रतिद्वंद्वी ताकत उसके गुप्त परमाणु हथियारों के लिए खतरा न बने। डेविड अलब्राइट सरीखे परमाणु विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल इस बात के फीके संकेत ही हैं कि यूरेनियम परिष्करण के फोर्दो, इस्फहान और नतांज स्थित गहरे अंडरग्राउंड ठिकानों को कोई गहरा नुकसान पहुंचा है।

लड़ाई खत्म हो जाए और हुकूमत कायम रही तो ईरान परमाणु हथियार के निर्माण और परीक्षण का विनाशकारी फैसला कर सकता है। इसमें अधिकतर लोगों की कल्पना से कम समय ही लग सकता है। भौतिक विज्ञानी हुइ झांग का कहना है कि चीन ने परीक्षण योग्य परमाणु हथियार 1964 में मात्र तीन हफ्ते के अंदर तैयार कर लिया था, जबकि उसके पास आधुनिक साजोसामान भी नहीं थे।

इज़रायल को उम्मीद है कि उसके हमलों के कारण, अपनी सरकार से परेशान ईरानी लोगों के लिए अयातुल्लों की हुकूमत को गिराने का रास्ता आसान हो जाएगा। या वह इस्लामिक स्टेट अथवा स्थानीय बलूच बागी हुकूमत को आत्मपरीक्षण करने पर मजबूर कर देंगे। यह बड़े दांव वाला जुआ है, जो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के किए-धरे पर पानी फेर सकता है।

हालांकि, ईरान की मिसाइल क्षमताओं की चर्चा दुनिया भर के विशेषज्ञों ने की है, लेकिन हकीकत यही है कि अयातुल्ला की फौज को जंग लग चुकी है। यहां तक कि ईरान को जो रूसी एस-400 सिस्टम सीमित संख्या में दिए गए थे, वह इज़रायल के आधुनिक एफ-22 और एफ-35 जेट विमानों के सामने बेअसर दिखे। ईरान की वायुसेना अभी भी शीतयुद्ध वाले दौर के एफ-4 फैंटम-2 विमानों और नॉर्थ्रप एफ-5 विमान के देसी संस्करण पर निर्भर है। ये दोनों शुरू में अमेरिका ने उसे दिए थे। वायुसेना के पास सोवियत युग के मिग-29 जेट विमान भी थोड़ी संख्या में मौजूद हैं, लेकिन न तो चीन और न ही रूस इस इस्लामी गणतंत्र को आधुनिक लड़ाकू विमान या अत्याधुनिक मिसाइल सिस्टम देने को तैयार है। ईरान ने 2024 में इज़रायल पर मिसाइलों से जो जवाबी हमला किया था उसने उसके 'आत्मनिर्भर' मिसाइल प्रोग्राम की सीमाओं को उजागर कर दिया था। इस हफ्ते इज़रायली हमलों के ईरानी जवाब ने इन सीमाओं को और उजागर कर दिया।'

'न्यूयॉर्क टाइम्स' के रिपोर्टर फरनाज़ फस्सीही ने लिखा है कि ईरान के शीर्ष नेतृत्व ने इज़रायली हमले के खतरों का गलत आकलन किया। वह यह मान बैठा कि इज़रायल अमेरिका के साथ वार्ता के महज़ चंद दिनों पहले कार्रवाई नहीं करेगा. इसने इज़रायली स्पेशल फोर्स को ज़मीन पर पहले से तैनात अपने एजेंटों का इस्तेमाल करके ईरान के आला अधिकारियों को निशाना बनाने की छूट दे दी। लेकिन इन रणनीतिक सवालों के उत्तर स्पष्ट नहीं हैं कि क्या इज़रायली हमले ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से वास्तव में रोक देंगे? और तब क्या होगा जब वह ऐसा नहीं कर पाए?

शोधकर्ता मुस्तफा किबारोग्लू ने लिखा है कि 1970 के दशक में फ्रांस, जर्मनी, अमेरिका के बीच व्यापारिक होड़ के कारण पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना, ब्राज़ील, ईरान और लीबिया जैसे देशों के लिए संवेदनशील परमाणु टेक्नोलॉजी हासिल करना आसान हो गया। शोधकर्ता त्रिता पारसी ने लिखा है कि एक विडंबना यह भी है कि इज़रायल ने जब अपना मिसाइल उत्पादन संयंत्र बनाया तो ईरान ने आधुनिक 'गाइडेड मिसाइल प्रोग्राम' की नींव डाल दी। शाह का तख्ता पलटने वाली 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान ने 1987 में पाकिस्तान के साथ रणनीतिक सहयोग का समझौता किया। जैसा कि राजनीतिशास्त्री मॉली मैकेलमैन की प्रामाणिक कृति बताती है, इस समझौते ने ईरान को अब्दुल कादिर खान द्वारा चलाए जा रहे काला बाज़ार से परमाणु प्लांट का खाका और साजोसामान उपलब्ध करा दिया। ये सब सद्दाम हुसैन के इराक के साथ उसके बर्बर युद्ध से मिले सबक की देन थी को लेकर चिंताओं ने परमाणु क्षमता को एक ज़रूरत बना दिया। इज़रायल को यह उभरता खतरा महसूस होने लगा, जिसे मुल्क के नेता बर्दाश्त नहीं कर सकते थे।

ईरान ने अंततः 2015 में जर्मनी समेत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों के साथ समझौता किया। प्रतिबंधों की वापसी के एवज में ईरान ने यूरेनियम के परिष्करण की सीमा 3.67 प्रतिशत निर्धारित की, जो 20 प्रतिशत की सीमा से काफी कम है, जिस सीमा तक हथियारों की खातिर परिष्करण की इजाजत है। लेकिन इज़रायल के दबाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2015 में इस समझौते से मुकर गए। इज़रायल का तर्क था कि ईरान का मिसाइल प्रोग्राम उसे परमाणु बम गिराने की क्षमता से लैस करता है, जिसे उसके अपने अनुभव के मुताबिक गुप्त रूप से तैयार किया जा सकता है। ट्रंप के सार्वजनिक बयान यही संकेत देते हैं कि उन्होंने इज़रायली हमले को टालने की कोशिश की और इसे ईरान के नेतृत्व से नई रियायतें हासिल करने का औज़ार बनाया। इज़रायल और अमेरिका अब शर्त लगा रहे हैं कि ईरान का नेतृत्व अपनी सैन्य तथा आर्थिक कमजोरियों को कबूल करेगा और वार्ता की मेज पर आएगा। लेकिन जैसा कि सभी जुओं में होता है, इस जुए के नतीजे की भविष्यवाणी असंभव है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मैं तुम्हें
अपनी कविता
बना रहा हूँ

मैं तुम्हें
अपने दिल की
धड़कन बना रहा हूँ

मैं तुम्हें
सावन की बौछार
बना रहा हूँ

मैं तुम्हें
बासंती फूल
बना रहा हूँ

मैं
तुम्हें जीवन का
संगीत बना रहा हूँ।

-दुर्गाप्रसाद झाला

इजराइल के हर 'वार' पर ईरान का भीषण पलटवार

● इजराइल ने शिया देश के एटमी रिएक्टर पर किया हमला

ईरान का बदला-इजराइली स्टॉक एक्सचेंज-अस्पताल उड़ाया

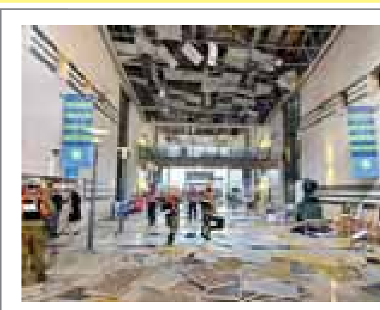

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने ईरान में अराक हैवी वॉटर रिएक्टर पर हमला कर दिया है। हमले के बाद हुए नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। कुछ घंटे पहले ही इजराइली सेना ने अराक और खोंडब शहर के लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। अराक में हैवी वाटर रिएक्टर है। यह फैसिलिटी ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम का एक अहम हिस्सा है। इसके साथ ही अराक में बड़े पैमाने पर हथियारों का उत्पादन होता है। ईरान ने जवाब में इजराइल के चार शहरों तेल अवीव, बीर्शेबा, रमत गण और होलोन पर 30 मिसाइलें दागीं। इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 7 मिसाइलों को इजराइली डिफेंस सिस्टम रोकने में नाकामयाब रहा।

इसमें 176 लोग घायल हुए हैं। 6 लोगों की हालत गंभीर है। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान जानबूझकर इजराइली नागरिकों और अस्पतालों को निशाना बना रहा है। इजराइल इन हमलों का बदला लेगा। ईरान और इजराइल के बीच जंग सातवें दिन में पहुंच गई है।

अमेरिका भेजा जाएगा क्रैश हुए प्लेन का ब्लैक बॉक्स!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में क्रैश हुए एअर इंडिया विमान से बरामद ब्लैक बॉक्स को अब अमेरिका भेजा जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार उसके विश्लेषण के लिए अमेरिका भेजना पड़ सकता है। इस दुर्घटना में एअर इंडिया का बोइंग 787 विमान क्रैश हो गया था, जिसमें सवार 241 लोग और जमीन पर 33 लोगों की जान चली गई थी। अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रिकॉर्डर को दुर्घटना के बाद लगी आग से भारी नुकसान पहुंचा है। यही कारण है कि भारत में इसका डेटा निकालना असंभव हो गया है और इसे अमेरिका भेजा जा सकता है। भारतीय अधिकारी एअर इंडिया बोइंग ड्रीमलाइनर की दुर्घटना की जांच कर रहे हैं, जिसमें सवार 241 लोग और जमीन पर 33 लोग मारे गए थे। इसे एक दशक में दुनिया का सबसे भीषण विमान हादसा गिना जाता है।

लाड़ली बहनों को दिवाली से मिलेंगे 1500 महीना

सीएम यादव ने कहा- संकल्प डंके की चोट पर पूरा करेंगे, 2028 में 3 हजार करेंगे

इंदौर (नप्र)। मध्यप्रदेश की 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों को दिवाली से 1500 रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में गुरुवार को यह घोषणा की। वे विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी के ग्राम तलून में आयोजित कार्यक्रम को इंदौर कलेक्टोरेट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि हम लाड़ली बहनों तीन हजार रुपए प्रति माह देने के अपने संकल्प पर कायम हैं। हमने डंके की चोट पर कहा है और इसे पूरा करेंगे। यह योजना पहले 1000 रुपए प्रति माह से शुरू हुई थी फिर हमने इसे 1250 रुपए किया। 2028 तक इसे बढ़ाकर 3 हजार रुपए कर देंगे।

रक्षाबंधन पर भी लाड़ली बहनों को मिलेगा गिफ्ट- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1250 रुपए की राशि हम दे रहे हैं, लेकिन अगले महीने रक्षाबंधन पर्व के शगुन के रूप 250 भी ट्रांसफर किए जाएंगे।

अय्याशी करती है कांग्रेस, सभी नेता जमानत पर

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि बीजेपी की सरकार जवाबदेही से चलती है। अय्याशी कांग्रेस करती है और यह उनका रिकॉर्ड है कि सभी नेता जमानत पर चल रहे हैं। बीजेपी सरकार जनता के लिए काम करती है।

मौसम खराब होने के कारण नहीं जा पाए बड़वानी

बता दें कि मुख्यमंत्री को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बड़वानी के ग्राम तलून जाना था, जहां उन्हें विश्व सिकल सेल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था, पर अचानक मौसम खराब होने के कारण मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर इंदौर से नहीं उड़ पाया।

ऐसे में मुख्यमंत्री इंदौर कलेक्टोरेट पहुंचे और यहीं से बड़वानी के कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल इंदौर से सुबह सड़क मार्ग से तलून के लिए रवाना हुए और कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल शाम 5 बजे इंदौर वापस पहुंचेंगे। वे रात्रि विश्राम इंदौर में ही करेंगे।

कानून तोड़ने वालों से निपटना जानते हैं

कांग्रेसी पार्षद अनवर कादरी उर्फ डकैत के लव जिहाद के लिए फंडिंग के मामले में फरारी पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार में कानून का राज चलता है। कानून तोड़ने वालों से निपटना जानते हैं, चाहे वह डकैत हो या डकैत का बाप। हमने प्रशासन से भी कहा है जो जहां मिले उसे पकड़ो, हर हाल में कानून का शासन रहेगा।

जांच पैनल का प्रस्ताव जस्टिस वर्मा को हटाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से मिले कैश केस की जांच कर रहे पैनल की रिपोर्ट गुरुवार को सामने आई है। इसमें कहा गया है कि हाईकोर्ट जज यशवंत वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों का स्टोर रूम पर सीक्रेट या एक्टिव कंट्रोल था। यहीं 14 मार्च की रात आग लगने के बाद बड़ी संख्या में अधजले नोट मिले थे। पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे जस्टिस वर्मा के बुरे व्यवहार का पता चलता है, जो इतना गंभीर है कि उन्हें हटाया जाना चाहिए। घटना के समय जस्टिस वर्मा दिल्ली हाईकोर्ट के जज थे और अब इलाहाबाद हाईकोर्ट में कार्यरत हैं। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू की अध्यक्षता वाले तीन जजों के पैनल ने 10 दिनों तक जांच की। 55 गवाहों से पूछताछ की और जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास का दौरा किया था।

ईरान से रेस्क्यू 110 भारतीय छात्र सकुशल दिल्ली पहुंचे

● कहा-वहां हालात खराब होते जा रहे, सभी मेडिकल स्टूडेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान की उर्मिया मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे लगभग 110 भारतीय छात्र सुरक्षित भारत पहुंच गए हैं। इनमें से 90 छात्र कश्मीर के हैं। ईरान-इजराइल जंग में फंसे छात्रों को वापस लाने के लिए सरकार ने ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है। भारत पहुंचे छात्रों ने बताया, वहां के हालात हर दिन खराब होते जा रहे हैं। खासकर तेहरान में स्थिति बहुत खराब है। युद्ध अच्छी चीज नहीं है। इंसानियत ही मारी जाती है। ईरान से निकाले गए ये छात्र मंगलवार को आर्मेनिया पहुंचे थे, जहां उन्हें राजधानी येरेवन के होटलों में ठहराया गया। इसके बाद आज इन्हें कतर के रास्ते भारत लाया गया। इंडिगो की एक फ्लाइट आर्मेनिया के येरेवन एयरपोर्ट से इन छात्रों को लेकर कतर की राजधानी दोहा के लिए रवाना हुई थी। इसके बाद एक दूसरी फ्लाइट से इन्हें दोहा से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट लाया गया। मंगलवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने छात्रों को ईरान से बाहर निकालने की पुष्टि की थी। इन छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों में निकाला गया। ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं।

कनाडाई एजेंसी ने भारत पर लगाया दखलअंदाजी का आरोप

● कहा-ये सब खालिस्तानियों की वजह से, वे भारत में हिंसा फैला रहे

ओटावा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पीएम कार्नी की यह तस्वीर जी 7 समिट के दौरान की है। कनाडा की सीक्रेट एजेंसी ने बुधवार को जारी अपनी रिपोर्ट में भारत पर कनाडा में विदेशी हस्तक्षेप का आरोप लगाया। एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत ट्रांस नेशनल दमन (सीमा पार दमन) में मेन रोल निभाता है।

रिपोर्ट में चीन को कनाडा के लिए सबसे बड़ा सीक्रेट खतरा बताया गया। इसके अलावा रूस, ईरान और पाकिस्तान का भी नाम लिया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय अधिकारी और कनाडा में मौजूद उनके प्रॉक्सी एजेंट्स ने कनाडाई नेताओं को प्रभावित करने की कोशिशें की है। इन भारतीय अधिकारियों ने कनाडा की नीतियों को भारत के हितों के मुताबिक मोड़ने की कोशिश की।

मोदी का 3 देशों का दौरा खत्म, स्वदेश लौटे

● पांच दिन में 27 हजार किमी का सफर किया

साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया गए प्रधानमंत्री

जगरेब (एजेंसी)। पीएम मोदी पांच दिन का विदेशी दौरा पूरा करके गुरुवार को भारत लौट आए हैं। प्रधानमंत्री सबसे पहले 15-16 जून को साइप्रस में रहे। फिर 17 जून को कनाडा पहुंचे, 18 जून को जी 7 समिट में हिस्सा लिया। फिर क्रोएशिया गए। बुधवार को क्रोएशिया की राजधानी जगरेब में पीएम मोदी के स्वागत में मंत्र पढ़े गए और भारतीय नृत्य पेश किया गया। इसके बाद पीएम मोदी भारतीय समुदाय के लोगों से मिले। मोदी ने क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच से द्विपक्षीय बातचीत की। ये किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है। यहां 17 हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने क्रोएशिया की पहली यात्रा पर गर्मजोशी से स्वागत के लिए वहां की सरकार और प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेनकोविच का धन्यवाद किया।

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 20 जून 2025

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

आ गई 'फ्लाइंग बाइक', ट्रैफिक जाम की झंझट से होगी छुट्टी

हो जाइए तैयार, अब उड़कर घर से पहुंचेंगे ऑफिस!

ऑटोमोबाइल की दुनिया में शुरू हो गया है एक नया रोमांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑटोमोबाइल की दुनिया में एक नया रोमांच शुरू हो गया है। चीन की कंपनी कुचव्हील ने उड़ने वाली मोटरसाइकिल को पेश किया है, जिसका नाम स्काई राइडर एक्स 6 है। यह मोटरसाइकिल जमीन पर चलने के साथ-साथ हवा में भी उड़ सकती है। इसे 69,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 57 लाख रुपये) की कीमत में लॉन्च किया गया है। इसकी मदद से आप अपने घर से सीधा उड़कर ऑफिस पहुंच सकते हैं।

इसे डुअल-मोड कॉन्फिगरेशन के साथ बनाया गया है, जिसकी मदद से यह जमीन और हवा दोनों जगह पर कार कर सकती है। जमीन पर यह एक रिवर्स ट्राइक की चलती है, जिसमें मिड-माउंटेड रियर-व्हील ड्राइव सिस्टम लगा है। हवा उड़ने के लिए इसमें 6 एक्सीस और 6-रोटर इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम को लगाया गया है। इसमें 10.5 किलोवाट का बैटरी पैक दिया गया है, जिसे डीसी फास्ट चार्जिंग से एक घंटे में पूरी तरह चार्ज किया जा सकता है।

यह जमीन पर 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है और एक बार चार्ज में 200 किमी तक की दूरी तय कर सकती है। वही हवा में उड़ान के दौरान इसकी स्पीड 72 किमी प्रति घंटे है और

यह करीब 20 मिनट तक हवा में रह सकती है। इसको लेकर कंपनी का कहना है कि इससे छोटी दूरी का सफर और आपात स्थिति में बहुत उपयोगी हो सकती है, जैसे ट्रैफिक से बचना या जल्दी कहीं पहुंचना। इसमें कई बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। स्काई राइडर एक्स 6 में ऑटोमेटेड टेकऑफ और लैंडिंग, रूट प्लानिंग, जॉयस्टिक कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं।

इसके साथ ही रिजर्व प्रोपल्शन और कंट्रोल सिस्टम दिया गया है। इसमें अगर एक मोटर फेल हो जाए, तो दूसरा काम करता है। इसमें बैलिस्टिक पैराशूट भी दिया गया है, जो इसमें किसी तरह के खराबी आने पर अपने आप खुल जाता है।

हमारे देश की भाषाओं के बगैर हम भारतीय नहीं

- शाह बोले-देश में अंग्रेजी बोलने वालों को बहुत जल्द आएगी शर्म

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा-ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, इस देश में जो लोग अंग्रेजी बोलते हैं, उन्हें जल्द ही शर्म आएगी। ऐसे समाज का निर्माण दूर नहीं है।

उन्होंने यह बयान गुरुवार को नई दिल्ली में पूर्व आईएएस आशुतोष अग्निहोत्री की बुक 'मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं' का विमोचन पर दिया। शाह ने हिंदी समेत 'भारतीय भाषाओं के भविष्य' पर कहा, अपने देश, अपनी संस्कृति, अपने इतिहास और अपने धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती। अधूरी विदेशी भाषाओं के जरिए संपूर्ण भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। मैं अच्छी तरह जानता हूं यह लड़ाई कितनी कठिन है, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय समाज इसे जीतेगा। एक बार फिर स्वाभिमान के साथ हम अपने देश को अपनी भाषाओं में चलाएंगे और दुनिया का नेतृत्व भी करेंगे। अमृत काल के लिए पीएम मोदी ने पंच प्रण की नींव रखी है। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना, गुलामी के हर निशान से छुटकारा पाना, अपनी विरासत पर गर्व करना, एकता और एकजुटता के लिए प्रतिबद्ध रहना और हर नागरिक में कर्तव्य की भावना जगाना, ये पांच प्रतिज्ञाएं 130 करोड़ लोगों का संकल्प बन गई हैं। यही कारण है कि 2047 तक हम टॉप पर होंगे और हमारी भाषाएं इस यात्रा में प्रमुख भूमिका निभाएंगी।

नैनी जेल में बंद अतीक के बेटे को बैरक से मिला पैसा

- डिप्टी जेलर और हेड वार्डर सस्पेंड, डीआईजी ने की जांच

प्रयागराज (एजेंसी)। नैनी सेंट्रल जेल में माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद की बैरक से नकदी बरामद होने के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। जेल प्रशासन ने डिप्टी जेलर कांति देवी और हेड वार्डर संजय द्विवेदी को सस्पेंड कर दिया है। बताया जा रहा है कि अली अहमद से मिलने आए एक मुलाकाती ने उसे 1100 रुपये दिए थे ताकि वह जेल में उपयोग के लिए कूपन खरीद सके, लेकिन उसने कूपन नहीं खरीदे और पैसे छुपाकर रख लिए। नैनी सेंट्रल जेल में बंद अतीक अहमद के

बेटे अली अहमद की बैरक से नकदी बरामद होने के बाद जेल प्रशासन में खलबली मची है। मंगलवार को जेल डीआईजी राजेश श्रीवास्तव की रुटीन चेकिंग के दौरान यह घटना सामने आई। डीआईजी राजेश श्रीवास्तव ने हाई सिक्योरिटी बैरक की तलाशी ली, जहां अली अहमद बंद है। तलाशी के दौरान बैरक से 1100 रुपये नकद बरामद हुए हैं। जेल अधीक्षक रंग बहादुर के अनुसार, अली अहमद से मिलने आए एक मुलाकाती ने उसे 1100 रुपये दिए थे ताकि वह जेल में उपयोग के लिए कूपन खरीद सके। जेल व्यवस्था के तहत, बंदियों को नकदी रखने की अनुमति नहीं होती और वे केवल कूपन के जरिए ही जरूरी सामान खरीद सकते हैं।

15.43 करोड़ रुपए की लागत से गंडक नदी पर बनेगा नया पुल

बिहार के लोगों की बाढ़ में संपर्क टूटने की समस्या होगी दूर

गोपालगंज (एजेंसी)। मांझा प्रखंड की गौसियां पंचायत के सहलादपुर गांव के समीप गंडक नदी पर लगभग 15 करोड़ 43 लाख की लागत से पुल एवं एप्रोच पथ का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए ग्रामीण विकास विभाग-2 के स्तर पर स्थल का सर्वेक्षण कर प्राक्कलन की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। इस पुल व एप्रोच पथ के निर्माण से दियारे के लोगों के लिए आवागमन सुगम हो जाएगा। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना के तहत वर्ष 2024-25 के लिए जिला संचालन समिति की ओर से अनुशासित सूची के आधार पर मांझा प्रखंड की गौसियां पंचायत के गौसिया वृति टोला एवं निमुईया तक पुल एवं एप्रोच सड़क निर्माण की विभागीय स्वीकृति मिल गई है। इसके बाद ग्रामीण विकास विभाग-2 इसके प्राक्कलन की तैयारी में लग गया है। गौसियां वृति टोला से निमुईया तक करीब तीन किलोमीटर एप्रोच सड़क का निर्माण लगभग 4 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। इसके अलावा करीब 11 करोड़ 26 लाख की लागत से सहलादपुर गांव समीप गंडक नदी के बांध ढाला के पास पुल का निर्माण किया जाएगा। गौसियां वृति टोला एप्रोच सड़क एवं सहलादपुर बांध के पास पुल का निर्माण हो जाने से इस इलाके के लोगों का आवागमन काफी सुगम हो जाएगा। साथ ही इस इलाके के लोगों का सीधा संबंध प्रखंड एवं जिला मुख्यालय से हो जायेगा।

अपराध पर योगी सरकार की है जीरो टॉलरेंस नीति

उत्तर प्रदेश में आठ सालों में 234 अपराधी हुए ढेर

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड कार्रवाई करते

हुए एनकाउंटर में 234 दुर्दांत अपरधियों को मुठभेड़ में ढेर कर यमलोक पहुंचाया है। इस दौरान पुलिस ने कुल 14,741 मुठभेड़ की कार्रवाइयां कीं, जिनमें 30,293 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। एनकाउंटर की कार्रवाई में 9,202 अपराधी घायल हुए। वहीं अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो गये जबकि 1,700 पुलिसकर्मी घायल हुए। डीजीपी राजीव कृष्णा ने बताया कि प्रदेश में सबसे अधिक मुठभेड़ मेरठ जोन में दर्ज की गई, जहां पुलिस ने 4,183 कार्रवाई की। इस कार्रवाई में 7,871 अपराधी दबोचे गये जबकि 2,839 अपराधियों को घायल हुए। वहीं 77 कुख्यात अपराधियों को मौके पर ही मार गिराया गया। मेरठ जोन की मुठभेड़ के दौरान 2,839 अपराधी घायल हुए। इस दौरान 452 पुलिसकर्मी घायल हुए जबकि दो शहीद हो गये।

लालू की मौजूदगी में तेजस्वी ने बताया 'जीत' का प्लान

- राजद से टिकट लेने का फॉर्मूला तय, कहा-गणेश परिक्रमा की जरूरत नहीं

पटना (एजेंसी)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला किया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने आवास के पास फायरिंग का हवाला देते हुए कहा कि कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार आ रहे हैं, उनको बताना चाहिए कि क्या यह जंगल-राज नहीं है। बिहार सरकार में 12 मंत्री राजनीतिक परिवार से, क्या यह परिवारवाद नहीं। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य की नीतिश कुमार सरकार पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि जदयू को भाजपा चला रही। आरएसएस कोटे से मंत्री ही नहीं बनते, अब नई-नई पार्टियां भी बनाई जा रही हैं। इस दौरान राजद से टिकट लेने का फार्मूला भी बताया गया। तेजस्वी ने कहा कि राजद नेताओं को गणेश परिक्रमा करने की जरूरत नहीं। प्रदर्शन के आधार पर टिकट मिलेगा। लालू ने कहा कि कोई चाहे कितनी भी आलोचना करे, लेकिन मुख्यमंत्री पद के एकमात्र दावेदार तेजस्वी यादव ही हैं।

संविधान की वजह से ही तोड़ पाया जाति की बेड़ियां:सीजेआई

- सामाजिक न्याय पर बोले सीजेआई गवई, आर्थिक न्याय पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा है कि समाज के बड़े हिस्से को हाशिए पर रखने वाली असमानताओं पर ध्यान दिए बिना कोई भी देश असल में प्रगतिशील या लोकतांत्रिक होने का दावा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा है कि समाज में स्थिरता, सामंजस्य और सतत विकास करने के लिए सामाजिक-आर्थिक न्याय सबसे अहम है। सीजेआई बुधवार को मिलान में एक कार्यक्रम को संबोधित करने पहुंचे थे। इस दौरान सीजेआई को सामाजिक-आर्थिक न्याय

प्रदान करने में संविधान की भूमिका भारतीय संविधान के 75 वर्षों के प्रतिबिंब'' विषय पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था। आमंत्रण के लिए चैंबर ऑफ इंटरनेशनल लॉयर्स को धन्यवाद भी दिया।

सामाजिक-आर्थिक न्याय एक व्यावहारिक आवश्यकता- इस दौरान प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि न्याय महज आदर्श चीज नहीं है और इसे सामाजिक संरचनाओं में जड़ें जमानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''समाज के बड़े हिस्से को हाशिए पर रखने वाली संरचनात्मक असमानताओं पर ध्यान दिए बिना कोई भी राष्ट्र वास्तव में प्रगतिशील या लोकतांत्रिक होने का दावा नहीं कर सकता। स्थिरता जरूरी है।

भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली का होगा सौंदर्यीकरण

रांची (एजेंसी)। झारखंड सरकार ने खूंटी के उलिहातु स्थित भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली के सौंदर्यीकरण का निर्णय लिया है। साथ ही खूंटी के ही पंचघाघ जलप्रपात तथा रांची के गेतलसूद के पर्यटन स्थल के रूप में विकास के लिए योजनाओं की मंजूरी दी है। पर्यटन, कला संस्कृति एवं खेलकूद विभाग ने इन योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए राशि की स्वीकृति प्रदान कर दी है। उलिहातु स्थित भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली के सौंदर्यीकरण के लिए पर्यटन, कला संस्कृति एवं खेलकूद विभाग ने 2.36 करोड़ रुपये की योजना की स्वीकृति प्रदान की है। इसका निर्माण खूंटी उपायुक्त के माध्यम से होगा। इसी तरह, विभाग ने खूंटी के ही पंचघाघ जलप्रपात के पर्यटन स्थल के रूप में विकास के लिए 7.32 करोड़ रुपये की योजना की स्वीकृति प्रदान की है।

जमीन से 295 फीट नीचे बनी है फोर्डो लैबोरेटरी

- आसान नहीं है ईरान का एटमी प्लांट तबाह करना
- केवल अमेरिकी विमान और बम से हमला मुमकिन

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान और इजराइल के संघर्ष के बीच दुनिया की नजर ईरान के फोर्डो फ्यूल एनरिचमेंट प्लांट पर टिक गई है। यह ईरान की एक पहाड़ी में 295 फीट, यानी लगभग 90 मीटर गहराई में मौजूद है। इसकी बनावट और

रणनीतिक लोकेशन ऐसी है कि कोई भी देश इसे हवाई हमले से तबाह नही कर सकता है। फोर्डो के अड्डे तक पहुंचने के लिए पांच सुरंगों को काटकर गहराई में बंकरनुमा सुविधाएं बनाई गई हैं। इसका कंट्रोल परमाणु ऊर्जा संगठन के पास है।, ये नतांज के बाद ईरान का दूसरा यूरेनियम प्यूरिफिकेशन प्लांट है। इजराइल लंबे समय से इस अड्डे को खत्म करना चाहता है।

इसे तबाह करने में सिर्फ अमेरिका के बीएम-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर बंकर-बस्टर बम और बी-2 स्टेल्थ विमान सक्षम हैं, लेकिन यह इतना आसान नहीं है। इसे तबाह करने के लिए इन बमों को कई बार एक ही जगह पर गिराना होगा। फोर्डो एक पहाड़ के नीचे 80-90 मीटर गहराई में बनी है, जिसे हवाई हमलों से तबाह करना लगभग नामुमकिन है। यह लगभग 54,000 वर्ग फीट में फैली है और इसमें दो संवर्धन हॉल हैं। इसमें लगभग 3,000 एमआई-1 सेंट्रीफ्यूज हैं, जिनमें से 1,044 विकिरण का इस्तेमाल आइसोटोप उत्पादन के लिए किया जाता हैं। 2024 तक, ईरान ने बीएम-6 सेंट्रीफ्यूज की संख्या बढ़ाई है। 2012 में, फोर्डो ने मेडिकल के लिए 20 फीसदी तक कन्वर्टेड यूरेनियम का उत्पादन शुरू किया।

हो गई डील! इजरायल को मान्यता देगा पाकिस्तान

- जनरल मुनीर से मिलकर राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को वॉशिंगटन में वाइट हाउस के अंदर पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर से मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि ट्रंप ने जनरल मुनीर से पड़ोसी ईरान और इजरायल के बीच चल रही लड़ाई में मदद मांगी है। बताया जा रहा है कि अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तानी सेना अपना एयरबेस उसे दे दे। इससे पहले पाकिस्तान अपना नूरखान एयरबेस अफगानिस्तान पर हमले के लिए दे चुका है। इस मुलाकात के बाद ट्रंप ने ईरान और इजरायल को लेकर बड़े संकेत दिए हैं। ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तानी नेतृत्व ज्यादातर लोगों की अपेक्षा ईरान को बेहतर तरीके से जानता है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान इजरायल के प्रति भी खराब नहीं है। ट्रंप का बयान पाकिस्तानी नेताओं के बयान से उलट है

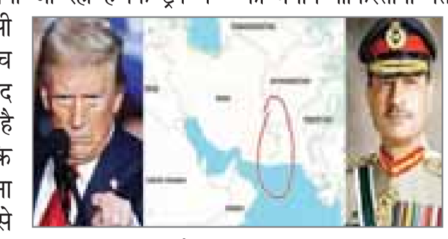

जो इजरायल को पानी पी-पीकर गालियां दे रहे हैं और ईरान के साथ समर्थन का दावा कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने मुनीर से मुलाकात के बाद कहा, जनरल मुनीर से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

हम दोनों ने ईरान के बारे में बातचीत की है। वे (पाकिस्तानी नेतृत्व) ईरान को बहुत अच्छे से जानते हैं। ज्यादातर लोगों से बेहतर।

अयोध्या में रामलला के भोग के लिए 'सीता रसोई' तैयार

- देसी घी से पूड़ी-हलवा बनेगा, हर घंटे 50 भक्त ही राजा राम के दर्शन कर पा रहे

अयोध्या (एजेंसी)। रामलला के लिए अयोध्या के मंदिर में 'सीता रसोई' बनकर तैयार हो गई है। यहां 2 भंडारियों की जिम्मेदारी मिली है कि वो बालक राम के लिए सुबह-शाम का भोग तैयार करें। ट्रस्ट इस पर भी विचार कर रहा है कि यह भोग भक्तों को प्रसाद के रूप में मिल सके। लेकिन, आखिरी फैसला होना बाकी है। 22 जनवरी, 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के वक्त ही एक रसोई परिसर में बनाई गई थी, लेकिन यह बहुत व्यवस्थित नहीं थी। अब ग्राउंड फ्लोर के साथ मंदिर की दोनों मंजिल बनकर तैयार हो चुकी हैं। 5 जून, 2025 को राजा राम भी पहले फ्लोर पर विराजमान हो चुके हैं। साथ ही 8 और मंदिरों में भी देव विराजमान हो चुके हैं। ऐसे में देवों के भोग के लिए भी नए सिरे से व्यवस्था की गई है। अब अन्नपूर्णा देवी के मंदिर के करीब नई रसोई बनकर तैयार हुई है। इसमें सुबह, दोपहर और शाम के भोग को तैयार करने की व्यवस्थाएं की गई हैं। यह रसोई पहले से हाईटेक हैं। फ्रिज, मिक्सर के साथ रसोई को सजाया गया है, जिससे मौसम के मुताबिक भोग तैयार हो सके।

भोपाल दौरे पर यूनिसेफ प्रतिनिधि सिंथिया मैककेफ्री

हमीदिया में देखी इलाज की व्यवस्था, बोलीं- एमपी की कंगारू केयर तकनीक दुनिया को बताएंगे

भोपाल (नप्र)। भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सिंथिया मैककेफ्री भोपाल के दौरे पर हैं। गुरुवार सुबह 11:30 बजे उन्होंने हमीदिया अस्पताल का दौरा किया, जहां उन्होंने गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के इलाज से जुड़ी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। वे नियोनैटल केयर यूनिट में माताओं को अपने नवजात शिशुओं को सीने से लगाए देख कर काफी प्रभावित हुईं।

मैककेफ्री ने शिशु रोग विभाग की प्रोफेसर डॉ. मंजूषा गोयल से इस प्रक्रिया के बारे में पूछा। डॉ. गोयल ने उन्हें कंगारू मदर केयर (केएमसी) तकनीक के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने जानकारी दी कि केएमसी कम वजन वाले या समय से पहले जन्मे बच्चों की देखभाल का एक प्राकृतिक और प्रभावी तरीका है। इसमें बच्चे को मां की छाती से सटाकर रखा जाता है, जिससे बच्चे को गर्माहट मिलती है और मां का दूध भी आसानी से उपलब्ध होता है। यह बच्चों की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है और इसके सफल परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

इस तकनीक से प्रभावित होकर, सिंथिया मैककेफ्री ने इसे एक अच्छा नवाचार बताया और कहा कि यूनिसेफ इसे अपने प्रोजेक्ट में जोड़ेगा, ताकि यह तकनीक दुनिया भर तक पहुंचाई जा सके। इस मौके पर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन समेत शिशु रोग विभाग और स्त्री रोग विभाग के अन्य डॉक्टर व स्टाफ मौजूद रहे। यूनिसेफ प्रतिनिधि सिंथिया मैककेफ्री ने गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के इलाज से जुड़ी

व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीधे तौर पर मरीजों के इलाज पर स्तनपान और टीकाकरण पर जोर

मैककेफ्री ने नवजात शिशुओं की हेल्थ के लिए स्तनपान के महत्व पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि स्तनपान से शिशुओं की इम्यूनिटी बढ़ती है, नवजात जितना ज्यादा स्तनपान करेंगे उनके लिए उतना ही अच्छा होगा। उन्होंने स्तनपान को नवजात बच्चों के अच्छी सेहत के लिए सबसे बड़ा टीका बताया।

- **प्रदेश के सामने मृत्यु दर में सुधार की चुनौती–** नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश में अगले पांच साल (2030 तक) के लिए कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इनमें मातृ मृत्यु दर को आधा करना शामिल है, जो वर्तमान में प्रति एक लाख गर्भवती महिलाओं पर 173 है, जिसे घटाकर 70 से नीचे लाना जरूरी है। इसी तरह, 0 से 5 साल तक की आयु के बच्चों में प्रति एक हजार पर होने वाली 51 मौतों की दर को 25 से नीचे लाने का लक्ष्य है, जबकि आदर्श रूप से यह दर 12 से नीचे होनी चाहिए। बता दें कि मातृ–शिशु मृत्यु दर के मामले में मध्य प्रदेश का प्रदर्शन देश के सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक रहा है, जो इस दौरे और हमीदिया के नवाचारों के महत्व को और बढ़ा देता है।
- **यूनिसेफ के भारत में प्रयासों का नेतृत्व–** सिंथिया मैककेफ्री ने अक्टूबर 2022 में भारत में यूनिसेफ प्रतिनिधि के रूप में पदभार संभाला था। उनके नेतृत्व में, यूनिसेफ भारत में बच्चों के अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। संगठन भारत सरकार और विभिन्न पार्टनर्स के साथ मिलकर बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करने के लिए नवाचार अपना रहा है। देशभर में यूनिसेफ के 16 ऑफिस हैं।

बिना फिटनेस, परमिट-टैक्स दौड़ रही बसों पर कार्रवाई

होली क्रॉस, होली फैमिली सहित तीन स्कूलों की 6 बसें जब्त

भोपाल (नप्र)। स्कूली बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी लापरवाहियों पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) भोपाल ने सख्त कार्रवाई की है। गुरुवार को आरटीओ के निर्देश पर चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान में तीन निजी स्कूलों की 6 बसें बिना फिटनेस, बिना परमिट और बकाया टैक्स के चलते हुए पाई गईं। चेकिंग के दौरान इन बसों को मौके पर ही जब्त कर आरटीओ कार्यालय भोपाल में खड़ा कराया गया है। यह बसें होली फैमिली पब्लिक स्कूल, होली क्रॉस स्कूल और फादर एंजल स्कूल की हैं।

इन तीन स्कूलों की बसों में पाई गई खामी– फादर एंजल स्कूल की बस– बिना परमिट और बिना फिटनेस के संचालन।
होली क्रॉस स्कूल की तीन बसें– बिना परमिट, फिटनेस, बीमा और टैक्स के संचालन। आरटीओ जितेंद्र शर्मा के अनुसार स्कूल बसों की फिटनेस, परमिट और बीमा जैसे दस्तावेजों की अनदेखी बच्चों की जान के साथ गंभीर खिलवाड़ है। विभाग आगे भी ऐसे स्कूल वाहनों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाता रहेगा। शर्मा ने कहा कि यदि नियमों का पालन नहीं किया गया तो अगली बार और भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और उसमें कोई समझौता नहीं होगा।

दुकानदार ने कहा- गेहूं खत्म, स्टॉक में 56 क्विंटल रखा मिला

- **भोपाल में राशन दुकान पर दबिश, स्टॉक से ज्यादा मिला 17.5 क्विंटल चावल**

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक राशन दुकान में दबिश देने पहुंची खाद्य विभाग की टीम को अजीब स्थिति नजर आई। दुकानदार ने बताया कि गेहूं उपलब्ध नहीं है। इसलिए वितरण नहीं किया जा रहा, जबकि जब स्टॉक जांचा तो 112 कट्टी में 56 क्विंटल गेहूं रखा मिला।
वार्ड–44 स्थित ओल्ड सुभाष नगर की राजेंद्र प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भंडार की शासकीय उचित मूल्य दुकान में यह मामला

सामने आया। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया, जांच दौरान विक्रेता ने जानकारी दी कि दुकान में गेहूं उपलब्ध नहीं होने के कारण वितरण नहीं किया जा रहा है, लेकिन जांच के दौरान मशीन में गेहूं 5632 किलो प्रदर्शित पाया गया। वहीं, दुकान में 112 कट्टी बोरी में 56 क्विंटल भंडारित पाया गया।
कई ग्राहक गेहूं खरीदने पहुंचे थे
जिस समय टीम जांच के लिए राशन दुकान पर पहुंची, तब कई ग्राहक गेहूं लेने पहुंचे थे। खाद्य विभाग की टीम ने उन सभी से भी बात की और बयान दर्ज किए। जिला आपूर्ति अधिकारी जादौन ने बताया कि वे खुद औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे। यह निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे।

स्टॉक से ज्यादा मिला चावल

दुकान में गेहूं के अलावा चावल की जांच भी की गई। इस दौरान 17.5 क्विंटल चावल स्टॉक से अधिक पाया गया। जिसे जब्त कर प्रकरण बनाया गया।

22 व्यक्तिगत आईडी से बना रहा था टिकट

- **रेलवे ई-टिकट घोटाले का भंडाफोड़, 1.62 लाख के टिकट जब्त, 19 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार**

भोपाल(नप्र)। रेलवे सुरक्षा बल ने टिकट कालाबाजारी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए ई-टिकटों के अवैध कारोबार का खुलासा किया है। भोपाल मंडल में की गई इस कार्यवाही में 1 लाख 62 हजार रुपए के 75 ई-टिकट जब्त किए गए हैं। 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है, जिससे वह टिकट तैयार करता था। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह कार्यवाही मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में की गई है। जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपी शाहबाज खान, निवासी नेहरू नगर सिकंदरी सराय भोपाल ने 22 अलग-अलग व्यक्तिगत यूजर आईडी के जरिए ये टिकट बुक किए थे।

साइबर सेल भोपाल से मिला था इनपुट

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि साइबर सेल भोपाल से मिले इनपुट के आधार पर आरपीएफ उपनिरीक्षक प्रकाश रघुवंशी और उनकी टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। जब्त टिकटों की कीमत 1,62,501 आंकी गई है। मोबाइल फोन को सबूत के तौर पर कब्जे में लिया गया है। कार्यवाही की वीडियोग्राफी कराई गई और रेल अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पिता की दवाइयां लेकर आ रहे बेटे की मौत

भोपाल (नप्र)। भोपाल के लालघाटी पर बुलेट की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वह बीमार पिता की दवाइयां लेकर हॉस्पिटल की ओर जा रहा था। मृतक युवक की दो महीने पहले ही शादी हुई थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

टक्कर मारने वाली बुलेट को पुलिस ने जब्त कर लिया है। बुलेट सवार दो युवक भी घायल हुए हैं। हादसा बुधवार की शाम का है। गुरुवार की सुबह एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

मृतक की पहचान सुरेंद्र रजक (26) के रूप में हुई। वह मालीपुरा पीरगेट का रहने वाला था और एक ज्वैलरी शाप में काम करता था। दो महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। उसके पिता कंछेदी रजक की तबीयत खराब है और वे मालीपुरा चिरायु अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें हार्ट संबंधी इंजेक्शन की जरूरत थी।

उज्जैन में सिंहस्थ के लिए हाईटेक बनेंगे 4 स्टेशन

- **क्राउड मैनेजमेंट से लेकर फेस रिकॉग्निशन तक, एआई से होगी मॉनिटरिंग**

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों की शुरुआत हो गई है। करोड़ों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचेंगे, इसलिए भीड़ और सुरक्षा को संभालने के लिए चार रेलवे स्टेशन को हाईटेक बनाया जाएगा। इन स्टेशनों पर फेस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर, हाई क्वालिटी सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन निगरानी, कंट्रोल रूम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी आधुनिक तकनीक लगाई जाएगी। इससे भीड़ को कंट्रोल करना और संदिग्ध लोगों पर नजर रखना आसान होगा।

इन चार स्टेशनों को किया जाएगा हाईटेक

नई खेड़ी, पिंगलेश्वर, चिंतामन और विक्रम नगर स्टेशन को हाईटेक बनाया जाएगा। अगर कोई अपराधी ट्रेन से उज्जैन आता है तो इन तकनीकों की मदद से उसे पहचान कर पकड़ा जा सकेगा। स्टेशन पर तैनात पुलिस और आरपीएफ को खास ट्रेनिंग दी जाएगी।

जीएडी ने जारी किए पदोन्नति के नए नियम

हर विभाग की प्रमोशन कमेटी में एससी-एसटी वर्ग का अफसर शामिल करना अनिवार्य

भोपाल (नप्र)। मोहन यादव कैबिनेट द्वारा लोकसेवा पदोन्नति नियम 2025 को मंजूरी देने के 48 घंटे बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने पदोन्नति संबंधी नियम जारी कर दिए हैं। गजट नोटिफिकेशन भी कर दिया गया है। सरकार ने कहा है कि 9 साल से पदोन्नति बंद होने से बड़ी संख्या में कर्मचारी-अधिकारी बगैर पदोन्नत हुए रिटायर हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार की कार्यक्षमता पर विपरीत असर पड़ रहा है और कर्मचारियों का मनोबल भी घट रहा है। इसलिए सरकार ने पदोन्नति के नए नियम बनाए हैं। पदोन्नति नियम बनाए जाने के दौरान आरक्षित वर्ग को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने और प्रशासनिक दक्षता तथा योग्यता को महत्व दिया गया है। नियमों में कहा गया है कि सीधी भर्ती के पदों में एससी और एसटी वर्ग को 16 प्रतिशत और 20 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का प्रावधान है। इसलिए सरकार पदोन्नति में भी इन्हें इसी आधार पर आगे बढ़ने के लिए मौका देने को प्रतिबद्ध है। गजट नोटिफिकेशन के साथ ही सरकार के ये नियम प्रभावी हो गए हैं।

पदोन्नति का आधार– प्रथम श्रेणी से प्रथम श्रेणी के उच्च वेतनमान के पदों पर योग्यता सह वरिष्ठता

के आधार पर पदोन्नति दी जाएगी। शेष सभी पदों पर पदोन्नति वरिष्ठता सह उपयुक्तता के आधार पर मिलेगी।

ऐसे होगी एससीएसटी के पदों की गणना– एसटी वर्ग के लिए आरक्षित पदों की संख्या पदोन्नति से भरे जाने वाले पदों की कुल संख्या का 20 प्रतिशत होगी।

एससी वर्ग के लिए आरक्षित पदों की संख्या पदोन्नति से भरे जाने वाले कुल पदों की संख्या का 16 प्रतिशत होगी।

विभागीय पदोन्नति समिति बनेगी– राज्य शासन द्वारा पदोन्नति से भरे जाने वाले हर संवर्ग के पदों को अलग से तय किया जाएगा। इसके लिए समिति द्वारा निर्णय लिया जाएगा। समिति के अध्यक्ष विभाग के सचिव और विभागाध्यक्ष सचिव होंगे। समिति में उपसचिव या उससे अधिक ऊंचे पद का जीएडी का एक अफसर भी शामिल होगा। इसके साथ ही इन तीनों सदस्यों में से कोई एक सदस्य एससी वर्ग का नहीं होने पर एससी वर्ग का एक सेकेंड क्लास अधिकारी भी समिति में शामिल किया जाएगा। पहले तीन सदस्यों में से कोई सदस्य एसटी वर्ग का न होने पर सेकेंड क्लास कैटेगरी का एसटी वर्ग का एक अधिकारी भी कमेटी में शामिल होगा।

निर्णय न हो पाने की स्थिति में यह कमेटी करेगी काम– अगर विभागीय समिति द्वारा किसी मामले में अलग निर्णय लिया जाता है तो ऐसे मामले में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी बनेगी जिसमें विभाग के सचिव और सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव शामिल होंगे।

2028 तक के लिए बनेगी कमेटी– सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा बनाए नियमों में कहा गया है कि जो कमेटी बनाई जाएगी वह वर्ष 2024 से 2028 तक की विभागीय पदोन्नति समिति के लिए लागू मानी जाएगी।

एमपी कैबिनेट की एक बैठक का आयोजन ग्वालियर में होगा

खूब लड़ी मर्दानी महानाट्य और मेले के लिए 5 लाख मिलेंगे; वीरांगना बलिदान मेले का समापन

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के 167वें बलिदान दिवस पर 2 दिवसीय बलिदान मेले का आयोजन किया गया। दूसरे दिन बुधवार को मेले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन याद भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में कैबिनेट की एक बैठक का आयोजन ग्वालियर में किया जाएगा। इससे अंचल के विकास के रास्ते खुलेंगे। उन्होंने वीरांगना बलिदान मेले के आयोजन और यहां हुए खूब लड़ी मर्दानी महानाट्य के लिए समिति को 5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

साथ ही वीरांगना की समाधि के सामने वाले मैदान (जहां महारानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों से युद्ध किया था) को विकसित करने की घोषणा की। उन्होंने बलिदान मेला समिति के संस्थापक अध्यक्ष पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया से कहा कि वे इसके विकास की परिकल्पना तैयार करके दें। उनके अनुसार ही विकास कराया जाएगा।

लक्ष्मीबाई ने खट्टे कर दिए थे अंग्रेजों के दांत

सीएम ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर मैं उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने आया हूं। वीरांगना लक्ष्मी बाई ने अंग्रेजों के दात खट्टे करते हुए प्राणों का उत्सर्ग किया है। मैं उस वीरांगना को प्रणाम करता हूं। यह 26वां आयोजन हुआ है। मप्र सरकार ऐसे कामों में सदैव अग्रणी है। बता दें, मेले में महानाट्य खूब लड़ी मर्दानी का मंचन हुआ। वहीं शस्त्र प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसे देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

साल 2000 में शुरू हुआ था मेला– बलिदान मेला के संस्थापक जयभान सिंह पवैया ने बताया कि मेला साल 2000 में शुरू किया गया था, यह 26वां वर्ष है। समारोह में महानाट्य खूब लड़ी मर्दानी का मंचन किया गया। इसमें 200 पात्र व सजीव घोड़ों पर युद्ध का प्रदर्शन किया गया।

एक्सीडेंट में छात्रा की मौत

दोस्त के साथ कॉफी पीकर लौटते समय हादसा हुआ

भोपाल (नप्र)। भोपाल के आईटी पार्क के पास न्यू जेल रोड पर अज्ञात वाहन ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्रा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवती की मौत हो गई। जबकि दो पहिया वाहन चला रहा उसका साथी घायल है।

गांधी नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रोशेल पिता सोलोमन (23) निवासी मिनाल रेसीडेंसी मूल रूप से छिंदवाड़ा की रहने वाली थी। रायसेन रोड के एक प्राइवेट कॉलेज से बी.टैक ग्रेजुएशन करने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात परवलिया सड़क स्थित एक ढाबे पर कॉफी पीने के लिए निकली थी। गुरुवार तड़के 3:30 बजे दोस्त के साथ लौट रही थी। तभी आईटी पार्क के पास अज्ञात वाहन ने रोशेल के वाहन को टक्कर मार दी। इससे इलाज के दौरान सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शिक्षण संस्थाओं में होगा सामूहिक योग

- 21 जून के लिये लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किये दिशा निर्देश
- योग दिवस की थीम 'एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य के लिये योग'

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून 2025 को प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक योग प्रदर्शन के लिये लोक शिक्षण संचालनालय ने दिशा निर्देश जारी किये है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की इस वर्ष की थीम 'एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य के लिये योग' रखी गई है। दिये गये निर्देशों में कहा गया है कि शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक योग प्रदर्शन के लिये आयुष मंत्रालय के कॉमन योग प्रोटोकॉल का पालन किया जायेगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के आयोजन से संबंधित अतिरिक्त जानकारी, जिसमें ब्रांडिंग किट, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से संबंधित आवश्यक सहायक सामग्री, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 10 प्रमुख कार्यक्रमों से संबंधित व्यापक पाठ्य सूचना और लिंक की जानकारी दिशा निर्देश के साथ भेजी गयी है।

संपादकीय

आखिरकार मिलेगा प्रमोशन!

मप्र की डॉ. मोहन यादव सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को 9 साल बाद पदोन्नति देने का बड़ा और बहुप्रतीक्षित फैसला लिया है। इससे उन कर्मचारियों और अधिकारियों को काफी राहत मिलेगी, जो बरसों से प्रमोशन की आस में काम किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इससे राज्य सरकार के 2 लाख कर्मचारियों को लाभ होगा। बीते मंगलवार मोहन यादव कैबिनेट ने इसे मंजूरी दी। बैठक के बाद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि इस फैसले से नई भर्ती के दरवाजे भी खुल जाएंगे। प्रमोशन में आरक्षित वर्ग की हिस्सेदारी को भी इसमें ध्यान में रखा गया है। प्रमोशन में किसी तरह की कानूनी तकलीफ नहीं आएगी, इसका भी पूरा ध्यान रखा गया है। डीपीसी के प्रावधान किए गए हैं। वरिष्ठता का ध्यान रखा गया है। किन हालात में लोकसेवक (पब्लिक सर्वेंट) अपात्र होगा, इसे भी स्पष्ट किया गया है। फैसले के पुनर्विलोकन के लिए रिव्यू डीपीसी की व्यवस्था भी की गई है। प्रमोशन कमेटी को सरकारी कर्मचारी-अधिकारी की उपयोगिता (यूटिलिटी) तय करने का अधिकार दिया गया है। हालांकि इस फैसले को लेकर कई सवाल भी उठ रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि नई प्रमोशन पॉलिसी में नया कुछ भी नहीं है। उनके मुताबिक नौ साल पहले जिन नियमों को हाईकोर्ट द्वारा निरस्त किया गया था, उसमें प्रमोशन में आरक्षण की जो व्यवस्था थी, लगभग वैसी ही व्यवस्था नए नियमों में भी कायम रखी गई है। एससी, एसटी संगठन अजाक्स नए नियमों के पक्ष में हैं, तो सामान्य ओबीसी का संगठन सपाक्स इसका विरोध कर रहा है। फिर से अदालत में जाने की बातें हो रही हैं। जबकि प्रमोशन में रिजर्वेशन के पुराने नियम अभी भी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। प्रमोशन में समानता के जिस सिद्धांत को मानते हुए अदालत में पुराने नियमों को खारिज किया था, नए नियमों को उस पर ही खरा साबित होना है। नए नियम भी अदालत की चौखट पर पहुंचेंगे। और इसे समानता के सिद्धांत पर कसा जाएगा। यह भी कहा जा रहा है कि सबसे पहले मंत्रालय के कर्मचारी पदोन्नत होंगे। डेढ़ साल में दो पदोन्नतियां देने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। पदोन्नति नियम एक सप्ताह में अधिसूचित कर लागू कर दिए जाएंगे। एससी/एसटी वर्ग को प्रमोशन में 36 प्रतिशत का लाभ मिलेगा। बाकी पद सामान्य श्रेणी के होंगे। इसके अलावा वर्ष 2016 से 2025 के बीच पदोन्नति दिए जाने को लेकर सरकार के फार्मूले में कोई फैसला नहीं लिया गया है न ही रिटायर्ड अधिकारियों-कर्मचारियों के मामले में कोई फैसला नहीं किया गया है। दरअसल पूर्व की शिवराज सरकार द्वारा पदोन्नति में भी राजनीतिक लाभ ढूंढने की नीति के कारण हजारों कर्मचारी बिना प्रमोशन रिटायर हो गए। इसका जिम्मेदार कौन है। इधर अनुभवी कर्मचारी बिना पदोन्नति रिटायर होते गए और नई भर्तियां नहीं हो रही हैं। ऐसे सरकारी मशीनरी के कामकाज और गुणवत्ता का बहुत विपरीत प्रभाव पड़ा है। शिवराज सरकार चाहती तो अन्य राज्य सरकारों की तरह अस्थायी पदोन्नति देकर मामले को सुलझा सकती थी। लेकिन उसे और उलझाया गया। सरकार कह सकती थी कि चूंकि मामला कोर्ट में है, इसलिए कोर्ट का फैसला अंतिम रूप से मान्य होगा, लेकिन तब तक पूर्व नियमों के हिसाब से पदोन्नति दी जा रही है। पदोन्नति के साथ आरक्षण का पेंच फंसाया गया। यहां तक कि तत्कालीन सरकार पदोन्नति को लेकर इतनी अगंभीर रही कि सरकारी कर्मचारियों को लेकर तत्कालीन सीएम की एक टिप्पणी भाजपा को विधानसभा चुनावों में भारी पड़ गई और पार्टी बहुमत से दूर रह गई। बहरहाल अच्छी बात यह है कि सरकार ने प्रमोशन देने का निर्णय कर लिया है। इससे कुछ तो फायदा होगा।

युद्ध व संघर्ष से तार-तार मानवाधिकार

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी
लेखक राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं और केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

दुनिया के विशेषज्ञ व संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस का एक स्वर में मानना है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिन्ताओं का समाधान करने का सबसे बेहतर और एकमात्र रास्ता अब भी कूटनीति ही है। लेकिन यह समाधान ईरान मान ले तब न। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय द्वारा एक नया आंकड़ा जारी हुआ है। नए आंकड़ों के अनुसार, 2024 में संघर्ष में नागरिकों की मृत्यु वैश्विक स्तर पर चालीस फीसद बढ़ जाएगी। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि व्यापक और जटिल भेदभाव जारी है। मानवाधिकार रक्षकों के साथ लगातार जघन्य हिंसा हो रही है। घातक निशाना बनाए जाने का भी पता चलता है। मानवाधिकार रक्षकों की ही स्थिति अगर ठीक नहीं है तो यह अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि वास्तविकता स्थानीय स्तर पर क्या है।

अब ईरान व इसराइल दोनों युद्ध के मोड में आ गए हैं। विभिन्न प्रकार के अस्त्र-शस्त्र से एक-दूसरे पर टूट पड़ने की स्थिति बनी है। इसमें आम नागरिक बहुत बुरी दशा में हैं। यह संघर्ष नहीं है, यह महासमर की स्थिति है। बहुत से देशों में ऐसे संघर्ष हैं और सभी अपने हित व संप्रभुता की दुहाई देकर लड़ रहे हैं। ईरान व इसराइल की लड़ाई जिस मुद्दे को लेकर है जिसका समाधान एंतोनियो गुटेरेस कूटनीति बता रहे हैं, वह पेंचीदा है। इसे ईरान पेंच मान रहा है। स्थायी समाधान का नाम देकर इसराइल व उसके समर्थक युद्ध इसका विकल्प मान रहे हैं। यह एक संक्रमण काल है जब कोई ऐसा मंच दुनिया में नहीं है जो समाधान की ओर युद्धरत देशों को ले जाए।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय द्वारा हताहतों की संख्या इस वर्ष 2024 में ही 48 हज़ार से अधिक व्यक्तियों की बताई जा गयी है। यूएन-ओएचसीएचआर का दावा है कि इनमें से अधिकांश आम नागरिक मारे गए हैं। पिछले वर्ष तो मारे गए 502 मानवाधिकार रक्षक थे। यह वर्ष भी मानवाधिकार रक्षकों के लिए कुछ ठीक नहीं है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क का मानना है कि हर आँकड़े के पीछे एक कहानी है। हर डेटा बिंदु के पीछे एक व्यक्ति है। ये संख्याएँ अनगिनत एकत्रित व्यक्तिगत कहानियों और जीवन का प्रतिनिधित्व करती हैं। वोल्कर तुर्क जिन आम नागरिकों की कहानियों को बयां करके दुनिया का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं। वे रुकने का नाम नहीं लेना चाहते। वे युद्ध की विभीषिका की ओर बढ़ चुके हैं। वोल्कर तुर्क भले कहें कि शांति और संघर्ष की स्थितियों में सबसे कमज़ोर लोगों की सुरक्षा करने में गंभीर विफलताओं को हम उजागर कर रहे हैं। वैश्विक मानवाधिकार परिदृश्य की तस्वीर देखते हुए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। डेटा दिखाता है कि भेदभाव पहले से ही हाशिए पर पड़े समूहों के सदस्यों को असमान रूप से प्रभावित करता है। लेकिन यह बात सच में आज की तारीख़ में कोई सुनाने को भले तैयार हो सुनने को कोई तैयार नहीं है।

सोचिए, यह कैसा दौर आ गया है। विश्व की वर्तमान में मौजूद चुनौतियों को छोड़कर अब देश आरोप-प्रत्यारोप, संघर्ष व तनाव में अपनी बाज़ार खोज रहे हैं। अमेरिकी सरकार की ओर से कई बार यह बयां दिया जा रहा है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न करे और मध्य पूर्व में अस्थिरता का कारण न बने। वैसे तो परमाणु हथियारों पर रोक पूरे विश्व के लिए ठीक है। मानवता के पक्ष में है। लेकिन अमेरिकी अपने आधिपत्य में जो इजराइल के कंधे पर बंदूक चलाने के लिए तैयार हैं और हवा दे रहे हैं कि किसी भी कीमत पर ईरान को दबा है, इसे भला ईरान क्यों स्वीकार कर लेगा। हथियारों की बाज़ार तो सबसे अधिक वीटो देशों द्वारा लगायी जा रही है और युद्ध व संघर्ष की स्थिति बनाकर खूब बिक्री की जा रही है। यह जो दोहरा चरित्र है, यह विश्व के नागरिकों के लिए काफी खतरनाक बन चुका है। सबसे अधिक मानवाधिकारों व मानवाधिकार रक्षकों के विनाश का कारण तो यही है। किसी देश पर आरोप व प्रतिबंध लगाने से पहले अपने साम्राज्य के शौकीन देशों को यह अपने भीतर झांकना चाहिए कि उन्होंने खुद क्या किया है। उन्हें यह सोचना चाहिए कि वे कौन सा मुह लेकर किसी देश पर दबाव बना रहे हैं? एक सार्थक सोच तो इन देशों के पास पहले से ही नहीं है जिससे असीम शांति समस्त नागरिकों के बीच व्याप्त होती।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी-आईएइए का भी कहना है कि ईरान परमाणु सुरक्षा नियमों का पालन नहीं कर रहा है। यह सवाल उन देशों से भी तो ज़रूरी हैं जो परमाणु ज़खीरे सुरक्षित करके किसी भी दशा में स्ट्रेस को बनाए रखने में विश्वास करते हैं। हथियारों की बिक्री करते हैं। संघर्ष होगा नहीं तो इनकी पूंजी डूब जाएगी। ऐसे में इनके हित तो बिलकुल जुदा हैं। आईएइए यद्यपि इस असमंजस में अब भी है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से केवल शान्तिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है या नहीं। सोचने वाली बात यहाँ यह भी सामने उभरकर आई है कि वह एजेंसी भी असमंजस में है कि वह क्या निर्णय ले और दूसरी ओर इसराइल व ईरान युद्ध के मोड में केवल नहीं आ गए हैं बल्कि वे हमलावर बन चुके हैं।

यह संयुक्त राष्ट्र एजेंसीज भी अब प्रपंच करते हुए ज्यादा मिल रही हैं, इससे तो यही लगता है। या तो कुछ ऐसा कहा जा सकता है कि संयुक्त राष्ट्र की गरिमा का देश ख्याल नहीं रख रहे हैं। अब सोचिए कि उत्तरी अफ्रीका, मध्य, दक्षिण, और पश्चिमी एशिया में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को गिरफ़्तार करने के मामले सबसे अधिक संख्या में सामने आए हैं। हत्याओं के मामले लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्रों में गम्भीर स्थिति है। पिछले दो वर्षों में सशस्त्र टकरावों के दौरान बच्चों और महिलाओं ने विनाशकारी हिंसा का सामना किया, यही तो इन संघर्षों व युद्धों की उपलब्धि है। विगत दो वर्षों में युद्ध व संघर्ष के दौरान खूब बच्चों और महिलाओं की हत्या हुई। महिलाओं लैंगिक भेदभाव का सामना किया। इसका सबसे गहरा प्रभाव सबसे निर्धन परिवारों पर पड़ा, जिससे ग़रीबी और असमानता का चक्र आगे बढ़ता रहा है। यह महासंकट है। भले संयुक्त राष्ट्र को देश अनसुना कर रहे हैं और अपनी संप्रभुता व प्रभुत्व की दुहाई देकर युद्ध कर रहे हैं लेकिन मर तो रहे हैं आम नागरिक भी। मर तो रहे हैं निर्दोष भी। मर तो रहे हैं मानवाधिकारों की रक्षा करने में संलग्न लोग भी।

लिंग आधारित हिंसा से जूझती महिलाएं मानसिक स्वास्थ्य सहायता से दूर हैं। वे अपने यौन प्रजनन अधिकारों से वंचित हो रही हैं। वे काफी संकट में हैं। यूएनएफपीए भले यह दावा करे कि हम महिलाओं के सहयोग के लिए तत्पर हैं लेकिन जहाँ पहुँच होगी, वहीं तक मदद होगी। जहाँ पहुँच ही नहीं बन पायी है और जहाँ भीषण संघर्ष की स्थिति बन गयी है, वहां की महिलाओं के बारे में सोचें, बहुत बुरी स्थिति में हैं महिलाएं। कुछ इसी प्रकार के संकट से विकलांग लोग भी जूझ रहे हैं। यह सब मानवाधिकारों का व्यापक हनन है। तार-तार होते मानवाधिकार निश्चय ही अब चिंता के विषय बनते जा रहे हैं। युद्ध अब देशों के बीच बढ़ रहे हैं और युद्ध संस्कृति की हिंसा से मानवाधिकार खंडित हो रहे हैं। विशेष चिंता तब अधिक बढ़ जाती है जब इसके लिए कोई ठीक-ठीक विकल्प के चुनाव की पहल भी हो तो देश मानने को तैयार नहीं हो रहे हैं।

आर्थिकी

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
लेखक स्तंभकार हैं।

मौद्रिक क्रांति- आरबीआई ने थामी संतुलन की डोर

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में जो मौद्रिक नीति की दिशा अपनाई है, वह महज़ एक तकनीकी निर्णय नहीं बल्कि आर्थिक इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाला एक साहसी और दूरगामी दांव है। यह नीति देश की आर्थिक स्थिरता, मुद्रा की क्रयशक्ति और वित्तीय बाज़ारों की उम्मीदों से जुड़ी हुई है। आरबीआई ने ब्याज दरों में कटौती कर आर्थिक गति को संबल देने का जो कदम उठाया है, उसका स्पष्ट संकेत है कि अब यह केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता को बनाए रखते हुए विकास को प्रोत्साहित करने की दोहरी चुनौती को स्वीकार कर चुका है। इस नीति परिवर्तन का समय भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए 2025-26 के वित्तीय वर्ष को एक निर्णायक परीक्षा में परिवर्तित कर रहा है।

RBI की मौजूदा रणनीति को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक विकास पर एक नज़र डालना आवश्यक है। 1991 के आर्थिक संकट के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक ने बाज़ार आधारित सुधारों को अपनाने की दिशा में पहला निर्णायक कदम उठाया था। उस समय देश के पास केवल कुछ हफ़्तों की विदेशी मुद्रा थी और अर्थव्यवस्था भारी संकट से जूझ रही थी। रिज़र्व बैंक ने तब तक की पारंपरिक भूमिकाओं से बाहर निकलकर अधिक लचीले और बाज़ारोन्मुख नीतिगत ढांचे को अपनाया। इसके तहत रुपया आंशिक रूप से परिवर्तनीय हुआ, सरकारी कर्ज़ पर निर्भरता घटी और निजी बैंकों को भी अनुमति दी गई। यह परिवर्तन भारत के आर्थिक इतिहास का एक नया अध्याय बना।

हालांकि, आरबीआई की सबसे बड़ी भूमिका मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने की रही है। मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखने की यह भूमिका इतनी केंद्रीय हो चुकी है कि अधिकांश लोग इसे स्वाभाविक मानते हैं। 2016 में, आरबीआई ने एक औपचारिक मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढांचे को अपनाया, जो कि वैश्विक मानकों की ओर एक बड़ा कदम था। इस ढांचे के तहत खुदरा महंगाई दर को 2 से 6 प्रतिशत के दायरे में रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह लक्ष्य महज़ सांख्यिकीय आंकड़ों तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके पीछे भारत की आर्थिक विश्वसनीयता, विदेशी निवेशकों का विश्वास और आम नागरिक की आर्थिक सुरक्षा जुड़ी हुई थी।

2020 के कोविड संकट ने इस लक्ष्य को कठोर परीक्षा में डाला। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटीं, कच्चे तेल की कीमतें उछलीं और खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति बाधित हुई। इन सबके बावजूद, RBI ने मुद्रास्फीति को अधिकांश समय 6 प्रतिशत की सीमा के भीतर बनाए रखा, जो उसकी नीति की सफलता को दर्शाता है। फरवरी 2025 तक खुदरा महंगाई 4 प्रतिशत से नीचे रही और हाल की भविष्यवाणी में इसे 2025-26 के लिए 3.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया गया है। यह संकेत है कि RBI को अब मूल्य स्थिरता को लेकर अपेक्षाकृत अधिक विश्वास है, जिसके चलते उसने ब्याज दरों में आधा प्रतिशत की कटौती कर दी है ताकि क्रेडिट को आसान बनाया जा सके और जीडीपी ग्रोथ को बल मिल सके।

इस नीति के पीछे तर्क यह है कि अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए केवल राजकोषीय प्रोत्साहन पर्याप्त नहीं है। जब मांग कमजोर होती है और उद्योग निवेश से हिचकते हैं, तब केंद्रीय बैंक को ऋण सस्ता कर उपभोग और निवेश को प्रोत्साहन देना होता है। RBI ने यह जिम्मेदारी उठाई है। बैंक अब न केवल ब्याज दरों में कटौती कर रहा है, बल्कि बैंकों को अधिक ऋण देने के लिए नकदी भी उपलब्ध करा रहा है। जनवरी से अब तक रू. 9.5 लाख करोड़ की तरलता इंजेक्शन दी जा चुकी है, और इस प्रक्रिया में बैंकिंग प्रणाली के भीतर नकदी का प्रवाह अत्यधिक बढ़ाया गया है।

RBI की यह रणनीति एक व्यापक वैश्विक संदर्भ में भी देखी जानी चाहिए। अमेरिका और अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं में जारी ब्याज दरों का चक्र, व्यापार युद्धों और भू-राजनीतिक तनावों की वजह से भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं भी अस्थिरता का सामना कर रही हैं। ऐसे में, भारत जैसे देश को आंतरिक मांग को मज़बूत कर आत्मनिर्भर वृद्धि सुनिश्चित करनी होगी। यही कारण है कि आरबीआई ने उपभोग और निवेश को बढ़ावा देने के लिए सस्ता ऋण उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

हालांकि, इस रणनीति के अपने जोखिम भी हैं। यदि मांग अधिक बढ़ गई और आपूर्ति उसका साथ नहीं दे सकी, तो यह नीति मुद्रास्फीति को फिर से बढ़ा सकती है। इसी कारण आरबीआई को अत्यंत संतुलित ढंग से आगे बढ़ना होगा। नीति दरों में कटौती का असर बाज़ार पर दिखाई देने लगा है, जैसे कि 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड में वृद्धि। यह इशारा करता है कि निवेशकों को आने वाले समय में मुद्रास्फीति या ऋण जोखिम के बढ़ने की आशंका है। इससे यह प्रश्न भी उठता है कि क्या RBI ने जोखिम प्रबंधन को संतुलित रखा है या यह कदम 'बहुत अधिक बहुत जल्दी' हो सकता है।

इसके अलावा, आरबीआई की इस नीति से यह भी स्पष्ट होता है कि वह अब केवल मुद्रा के मूल्य की रक्षा करने वाला संस्थान नहीं है, बल्कि आर्थिक वृद्धि का सक्रिय भागीदार बन चुका है। यह भूमिका विश्व बैंक, IMF जैसे वैश्विक संस्थानों की भी अपेक्षा रही है कि विकासशील देशों के केंद्रीय बैंक अब केवल मुद्रास्फीति पर नहीं, बल्कि व्यापक आर्थिक स्थिरता और समावेशी वृद्धि पर भी ध्यान दें। आरबीआई की नीति इस अपेक्षा पर खरा उतरने की कोशिश है।

लेकिन यह प्रयास निःशुल्क नहीं आता। अत्यधिक सस्ती मौद्रिक नीति दीर्घकालिक दृष्टि से 'सस्ते धन' की आदत डाल सकती है, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में संसाधनों की गलत दिशा में प्रवाह और 'संपत्ति बुलबुले' जैसी समस्याएं जन्म ले सकती हैं। भारत के लिए यह दोधारी तलवार है। यदि आरबीआई की नीति के परिणामस्वरूप मूल्य स्थिरता बनी रहती है, मांग में टिकाऊ सुधार होता है और उद्योग निवेश के लिए प्रेरित होते हैं, तो यह रणनीति एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन सकती है। अन्यथा, यह अर्थव्यवस्था को अस्थिरता की दिशा में भी धकेल सकती है।

यहां पर आरबीआई के 'न्यूट्रल' रुख का विश्लेषण भी आवश्यक है। नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) को 5.5 प्रतिशत पर रखने का फैसला यह संकेत देता है कि आरबीआई मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों को लेकर किसी एक चरम पर नहीं झुकना चाहता। वह मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि को भी प्राथमिकता देना चाहता है। यह नीतिगत संतुलन भारत जैसे विविधताओं से भरे देश के लिए बेहद ज़रूरी है।

वर्तमान परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आरबीआई ने आत्मविश्वास का परिचय दिया है। एक केंद्रीय बैंक जिसकी विश्वसनीयता महज़ ब्याज दर या मुद्रा विनिमय दर से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और संवेदनशीलता पर आधारित होती है, उसने अपने कद के अनुरूप निर्णय लिया है। अगर यह नीति सफल होती है, तो यह न केवल मौजूदा आर्थिक दौर की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करेगी, बल्कि RBI को एक नये युग के निर्णायक आर्थिक संस्थान के रूप में स्थापित कर देगी।

अब यह समझना आवश्यक है कि आरबीआई का यह 'साहसी दांव' आर्थिक शुचिता के बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित है। मूल्य स्थिरता, तरलता प्रबंधन और वृद्धि को संतुलित करने की यह कवायद भारतीय केंद्रीय बैंक को न केवल घरेलू मोर्चे पर, बल्कि वैश्विक आर्थिक मंचों पर भी नई प्रतिष्ठा दिला सकती है। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या यह नीतियां आर्थिक चक्र की आगामी लहरों को साधने में सक्षम होती हैं या नहीं। एक गलत आकलन अर्थव्यवस्था को अस्थिरता की ओर ले जा सकता है, जबकि सटीक संतुलन भारत को 21वीं सदी की आर्थिक शक्ति बनाने में मील का पत्थर साबित हो सकता है। इसीलिए, 2025-26 का वर्ष न केवल आरबीआई के लिए, बल्कि भारत की आर्थिक आत्मनिर्भरता की अग्निपरीक्षा भी है।

चाय तक के लिए नहीं पूछा क्या?

निर्मल आनंद

रमेश रंजन त्रिपाठी
लेखक व्यंग्यकार हैं।

वे उनके घर से लौट कर आ गए तब ध्यान आया कि उन्होंने चाय नहीं पिलाई। वे उनके साथ बहुत देर तक रहे, इधर-उधर के अलावा काम की बातें भी हुईं लेकिन जैसे ही उन्हें चाय न पिलाने की याद आई, मन में एक कसक सी उभरी। बात चाय की नहीं थी, चाय पीना तो यूँ भी सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता, बात थी चाय के लिए न पूछने की। वे सोचने लगे कि उन्हें चाय तक के लिए नहीं पूछा। ऐसा खयाल आते ही अपमान को मन मे घुसने की जगह मिल गई। इनसल्ट ने मन के अंदर आकर अपनेपन को पीछे धकेला और सामने की जगह पर आसन जमा लिया जहाँ सबसे पहले उसी पर नजर जाती थी। वे अपमान के भाव को बहुत भाव नहीं देना चाहते थे मगर चाय पिलाने के काबिल न समझे जाने का दुख बार-बार वहीं पहुंच जाता था जहाँ बेइज्जती ने डेरा जमा रखा था।

आज पता चला था कि चाय पीने से शरीर की एक खास रग दबकर दुखने से बची रहती है। यह वही रग है जिसके दुखने पर लोग उस पर हाथ रखकर सामने वाले की तकलीफ में बढ़ोतरी का आनंद लूटा करते हैं। चाय नहीं मिली तो वही रग दुखने लगी। अनेक लोगों को चाय न मिले तो उनका सिर दुखने लगता है। चाय की तासीर ही ऐसी है कि पीने पर टैनिन दुख देता है और पीने को न मिले तो व्यसन। चाय के वैज्ञानिक नाम कैमेलिया साइनेंसिस का प्रचलन बहुत अधिक नहीं है जैसे परिचितों के बीच स्कूल में लिखाए गए नाम का नहीं होता। हमारे ही नहीं, अनेक देशों में लोगों के चलतू नाम और वास्तविक नाम में फर्क हुआ करता है। वैज्ञानिक नाम तो वैज्ञानिकों ने दिया लेकिन चाय नाम चीन से आया। कहते हैं कि चीन के राजा शेंग नुंग ने चाय पेय पदार्थ का नाम चा-आ रखा था जिसकी प्रसिद्धि चाय या चाई के रूप मे हो गई। अकेली हिंदी की चाय नहीं, अंग्रेज़ी नाम टी भी चीन की एक भाषा मिन चीनी से लिया गया है जहाँ इसे टी या टे कहते हैं।

वैसे, नाम में क्या रखा है ! चाय को कुछ भी कहिए, वह चाय ही रहेगी, लाल-भूरे रंग की सुगंधित, गर्म, ताजगी से भरपूर, तत्काल ऊर्जा देनेवाली। चाय के उत्पादन में चीन अव्वल नंबर पर है तो प्रति व्यक्ति खपत में तुर्किए। पानी के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा पिया जानेवाला पेय पदार्थ चाय है। सुनकर मजा आया न कि शराब को किसी ने तो पछाड़ा। अब इतनी खूबियों वाली चाय पिलाने के लिए भी कोई न पूछे तो कैसा महसूस होगा?

धन्य हैं वे लोग जो चाय का सेवन करने में प्यालों की संख्या का हिसाब नहीं रखते। धन्य तो हम लोग भी हैं जो चाय को दुग्ध एवं शर्करा से समृद्ध करने के साथ उसमें अदरक, लौंग, इलायची झोंकने के बाद तुलसी पत्र से पवित्र करना नहीं भूलते। हम चाय को महज रिफ्रेशिंग ड्रिंक नहीं, पावन पेय में परिवर्तित कर देते हैं। इसीलिए हर घर में चाय का प्रसाद पाने की अभिलाषा पाले रहते हैं।

सात-आठ दशक पहले मध्यमवर्गीय परिवारों में चाय केवल सर्दी के मौसम में पी जाती थी। देश के अधिसंख्य वर्ग का साल में केवल चार महीने चाय पीना उसके व्यापारियों को कैसे सुहाता? जैसे स्पॉन्सरों ने क्रिकेट को जाड़े से निकालकर पूरे साल का खेल बना दिया, चाय को भी प्रतिदिन का पेय बनाने में सफलता हासिल कर ली गई। चाय पीना-पिलाना शिष्टाचार की श्रेणी में शामिल हो गया। खाने के निमंत्रण की तरह चाय पर बुलाया जाने लगा। हाई टी का चलन शुरू हुआ जिसमें चाय कम, खाने की चीजें ज्यादा होती हैं।

दुनिया में चाय की लोकप्रियता की वजह है कि गरीब से लेकर अमीर तक इसे प्रतिष्ठा से जोड़कर देखते हैं। सभी वर्गों के लिए सस्ती डस्ट टी से लेकर महंगी प्रीमियम लीफ टी तक उपलब्ध है। लोग अपने बटुए का मुंह देखकर गर्म, ठंडी या आइस्ड टी का आनंद लिया करते हैं। स्टील के गिलास या लोटे में पी जाने वाली चाय और बेशकीमती क्रॉकरी में नफासत के साथ सर्व की गई टी, अपने पीनेवालों को बिना भेदभाव के एकसमान तरोताज़गी प्रदान करती है। तभी तो सभी की चहेती है चाय। डायबिटीज वाले बिना शक्कर की, रक्तचाप वाले बिना दूध की और अलग-अलग नखरेवाले न जाने कैसी कैसी चाय बनाकर पीते हैं। लेकिन सभी प्यालों की हर सिप में चाय की पत्ती का फ्लेवर जरूर होता है। आप ही बताएं, ऐसी जायकेदार चाय के लिए न पूछे जाने पर बुरा तो लगेगा न?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. महेन्द्र अग्रवाल
लेखक व्यंग्यकार हैं

नेताजी के काम है कि कारनामे

नेताजी दिन रात काम करते हैं लेकिन लोग हैं कि उनके कामों को कारनामे कहते हैं। वह देश दुनिया को कई बार कई संचार माध्यमों से समझा समझाकर थक गये पर पढ़े लिखे समझदार लोग भी उनकी हर बात का अलग या उल्टा मतलब निकालते हैं। अब इसमें नेताजी क्या करें, एक दिन ए.सी. कार में राह चलते नेताजी की चाय पीने की इच्छा हुई तो रास्ते में पड़ने वाले एक साधारण से ढाबे पर रुककर चाय बनाने का बोल दिया ।फिर उस सचमुच के गरीब की सहायता करने का मन हुआ तो भरी गर्मी में खुद चाय का हत्था पकड़ कर हिलाने लगे। उनके साथ चल रहे चमचों और मीडिया मेन्स ने यह ज़रूरी फोटो खींचने का अतिआवश्यक और नेक काम किया जिसके लिए उनके पिताओं ने बरसों पहले मेहनत की थी।नतीजा दूसरे दिन की एक सुन्दर खबर बन गई-नेताजी ने अपने हाथ से चाय बनाकर कार्यकर्ताओं को पिलाई। इससे क्या हुआ, गिरे पड़े लोगों की ज़िन्दगी सुधर गई।नेताजी ऐसे ही निस्वार्थ भाव से लोगों की जिन्दगी सुधारते रहते हैं और लोग हैं कि लोकतंत्र की छूट होने से तमाम तरह की बातें बनाते हैं।

अब ये तो सामान्य दिनों की बात है। अगर चुनावों का मौसम हो तो नेताजी सड़क पर खड़े होकर मंगोड़े भी तल सकते हैं।किसी ग़रीब ठेले वाले के कंधों पर लटके परिवार का बोझ हल्का करने के लिए उसके कंधे से कंधा मिलाकर समोसे भी उतार सकते हैं।और अक्सर बिना चुनाव के भी वो ऐसा उपकार करते भी हैं उनके कर कमलों से बने समोसे उनके अपने चेलों के साथ आम लोग भी बड़े चाव से खाते हैं और अखबार का फोटू बनकर अपनी ज़िन्दगी सुधारते हैं। इससे मीडिया को नई ख़बर मिल जाती है, चुनाव हों तो हवा बन जाती है और कुछ वोटों की फसल भी पक जाती हैं। इसे ही एक पंथ दो काज कहते हैं ,यहां तो तीन-तीन सध रहे हैं। आम के आम गुठलियों के दाम वो भी तीन गुने मिलने लगें तो किसका मन नहीं ललचायेगा ऐसा काम बार-बार करने? फिर वे तो सबके प्रतिनिधि हैं।उनका तो क़ानूनी हक़ बनता है।

एक बार नेताजी का मन हुआ तो सड़क पर झाड़ू लगाने लगे। लोगों ने पूछा तो उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान चल रहा है।सबको अपने आसपास साफ-सफाई रखना चाहिये।बस फिर क्या था उनकी देखा देखी कलेक्टर एस.पी. भी झाड़ू उठाकर मैदान में आ गये।नगर पालिका के नए सी. एम. ओ. साहब को पता चला तो वे भी अपनी नींद अधूरी छोड़ सड़क पर उतर गये। जमादार के हाथों की झाड़ू खींचकर दौड़ लगा दी कि कलेक्टर साहब अपने बगल में एक बार खड़ा देख लें। नेताजी के मन की हो गई। अखबारों में फोटो और खबर तो उनके नाम से आनी ही थी।पत्रकार साथ लेकर जो चलते हैं। वरना झाड़ू भी काहे लगाते? नेतागिरी करते हैं बौराये थोड़ी हैं।

नेताजी की एक और विशेषता है। जिस शहर में जाते हैं उससे अपना पुराना लगाव बता देते हैं। जिस वर्ग के बीच पहुंचते हैं उससे अपने रिश्ते जोड़ लेते हैं। कहीं रोटी का रिश्ता कहीं रोज़ी का, कहीं संघर्ष के पुराने दिनों का तो कहीं शिक्षाकाल का। यह लगाव और रिश्ता कई बार पिछली कई पीढ़ियों तक चला जाता है। उनके विरोधियों में इस महान कला का अभाव है इसलिए जी भर के गालियां खा खाकर पिट रहे हैं,मतलब राजनीति में।इतने बड़े देश में एक जगह के ही हो के रहेंगे तो और क्या होगा? चलें हैं नेतागिरी करने। अरे कुछ तो सीख लो अब भी समय है या ऐसे ही ज़िन्दगी खराब करते रहोगे?

दृष्टिकोण

रागिनी श्रीवास्तव

लेखक कनाडा निवासी रचनाकार हैं।

धरती पर जीवन का विकास और दशावतार

जब-जब धर्म की हानि होती है, दुष्टों का प्रभाव बढ़ने लगता है, तब सज्जनों की पीड़ा हरने के लिए प्रभु का अवतार होता है। यह एक चौपाई है जो भगवत कथा से ली गई है। जो भगवान के अवतारी होने के उद्देश्य को स्पष्ट करती है। अब यदि भगवान विष्णु के प्रथम अवतार मत्स्यावतार के बारे में देखें तो यह अवतार सृष्टि को प्रलय से बचाने के लिए लिया गया था। विज्ञान के अनुसार सृष्टि पूर्व में जलमग्न थी। जीवन की शुरुआत संभवतः महासागरों में हुई थी, जहाँ पानी और अन्य रासायनिक तत्वों के मिश्रण से जीव उत्पत्ति हुई। अतः सर्वप्रथम जल जीव मछली धरा पर आयी।

हिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहि काहुहि व्यापा।

सब नर करहि परस्पर प्रीति। चलहि स्वधर्म निरत श्रुति नीति।

ऐसी पवित्र भारत भूमि जहां किसी समय रामराज्य था वहीं आज -

राम के भक्त रहीम के बंदे, रचते आज फरेब के फंदे
कितने ये मक्कार ये अंधे, देख लिये इनके भी धंधे।

ये क्या हुआ? कैसे हुआ? कब हुआ? क्यों हुआ? इस बारे में थोड़ा विचार करके हमें यह लगा कि यह सब विकास के सिद्धांत का ही प्रतिरूप है। भगवान विष्णु के दशावतार के बारे में हम सब भली भांति परिचित है। इनका सीधा सम्बन्ध मनुष्य के विकास से है।

जब-जब होई धरम की हानि, बाढ़हि असुर अधम अभिमानी,
तब-तब धरि प्रभु विविध शरीरा, हरहि दयानिधि सज्जन पीरा

अर्थात्, जब-जब धर्म की हानि होती है, दुष्टों का प्रभाव बढ़ने लगता है, तब सज्जनों की पीड़ा हरने के लिए प्रभु का अवतार होता है। यह एक चौपाई है जो भगवत कथा से ली गई है। जो भगवान के अवतारी होने के उद्देश्य को स्पष्ट करती है। अब यदि भगवान विष्णु के प्रथम अवतार मत्स्यावतार के बारे में देखे तो यह अवतार सृष्टि को प्रलय से बचने के लिए लिया गया था। विज्ञान के अनुसार सृष्टि पूर्व में जलमग्न थी। जीवन की शुरुआत संभवतः महासागरों में हुई थी, जहाँ पानी और अन्य रासायनिक तत्वों के मिश्रण से जीव उत्पत्ति हुई। अतः सर्वप्रथम जल जीव मछली धरा पर आयी।

दूसरा अवतार कूर्म अवतार है धर्म ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु ने समुद्र मंथन में सहायता के लिए कूर्म (कछुआ) अवतार लिया। यहां यह कह सकते हैं जीवन का विकास आरम्भ हुआ जीव मछली से कछुआ बना जो जल के साथ स्थल पर भी जीवित रह सकता था।

तीसरा अवतार वराह अवतार है। यह धरती पर रहने वाला जीव था। दैत्य हिरण्याक्ष ने जब पृथ्वी को जल में डुबो दिया था तब भगवान विष्णु ने वराह अवतार लेकर पृथ्वी का कल्याण किया था। उन्होंने अपने थूथनी की सहायता से हिरण्याक्ष का वध किया था। इसे भी जीवन के क्रमिक विकास का रूप कह सकते है।

चौथा अवतार भगवान नरसिंह है। भगवान विष्णु नरसिंह का रूप लेकर खम्बे से प्रगट हुए और नाखुनों से हिरण्यकश्यप का वध किया। यहां से विकास की श्रंखला में मनुष्य का विकास आरम्भ हुआ आधा शरीर सिंह का और आधा मनुष्य का।

पांचवा अवतार वामन अवतार है। अर्थात्, एक बौना मनुष्य भगवान ने देवी अदिति के गर्भ से जन्म लिया और बाली से देवताओं का राज्य वापस दिलाया।

श्री राम भगवान विष्णु के छठें अवतार है, एक आदर्श मानव जिसने अपने राज्य में समाज की बुराइयों को दूर किया और एक आदर्श सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था बनाने के साथ मानव मूल्यों को स्थापित किया और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाये।

दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहि काहुहि व्यापा।

सब नर करहि परस्पर प्रीति। चलहि स्वधर्म निरत श्रुति नीति।

विकास की अपनी गति होती है जो सतत प्रवाह में रहती है। भगवान श्री कृष्ण भगवान विष्णु के सातवें अवतार थे जिन्होंने अधर्मियों का नाश किया अनेक चमत्कार किये और मानव को राजनीति और कूटनीति का पाठ पढ़ाया। गीता का ज्ञान दिया जो मानव जीवन को सही मायनों में जीने के लिए प्रेरित करती हैं

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

भगवान परशुराम को आठवां अवतार माना जाता है जो ब्राह्मण थे इन्होंने ऋषि जमदग्नि के पांचवें पुत्र के रूप में जन्म लिया। वे अस्त्र-शस्त्र का उपयोग जानते थे। भगवान् शिव से उन्हें कुल्हाड़ी प्राप्त हुई थी। ब्राह्मण होते हुए भी इन्होने अनेक दुष्टों का अस्त्र शस्त्र से नाश किया था।

गौतम बुद्ध को भगवान विष्णु के नवम अवतार के रूप में मानते हैं, जिन्होंने मानव जाति को ज्ञान और उपदेश देकर हिंसा के विरुद्ध आचरण करने के लिए प्रेरित किया।

धर्म ग्रंथों के अनुसार भगवान का दसवां अवतार कल्कि देव के रूप में कलयुग और सतयुग के संधि काल में होगा। कहा जाता है यह कलयुग है अब मनुष्य सभी तरह के आचरणों से परिपूर्ण है यह भी माना जा सकता है कि मानव मूल्यों के साथ बुराइयां और आतंकवाद का पूर्ण विकास हो चुका है, यदि अभी भी कुछ बाकी है तो शायद उसका सामना हमारी आगे आने वाली पीढ़ियों को करना पड़े। आज धरती पर एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र पर परमाणु हथियारों का प्रयोग करने की धमकी दे रहे हैं। जिन रेडियोएक्टिव शक्तिशाली तत्वों से धरती का निर्माण हुआ हैं इन्हीं का सहारा लेकर पृथ्वी के विनाश की रूपरेखा बनाई जा रही है। विज्ञान के अनुसार इसे विकास यात्रा कहते है। यदि यही विकास है तो हे प्रभु, विकास और विनाश रोकने के लिए अवतार लीजिये और पुनः रामराज्य कि स्थापना कर मनुष्य को बुराइयों से बचाइए, क्योंकि

आया समय बड़ा बेढंगा, आज आदमी बना लफंगा,
कहीं पे झगड़ा कहीं पे दंगा, ले रहा नर सबसे पंगा।

यात्रा वृतांत

गोविन्द सेन

फूलों में बसा शहर - कूपर्टीनो

विमान जब सैन फ्रांसिस्को में लैंडिंग कर रहा था तो अद्भुत नज़ारे थे। संयोग से विमान में मुझे सीट नंबर 52ए मिला जो विंडो सीट थी। खाड़ी के मुहाने पर बने लाल-ईटाड़ी रंग के सुप्रसिद्ध गोल्डन गेट ब्रिज (झूला पुल) का अद्भुत दृश्य दिखाई दे रहा था जिसे अब तक केवल फोटो में ही देखा था। दो गेटों के बीच पुल की रस्सियाँ दिखाई दे रही थीं। इसके आगे भी स्लेटी रंग का एक और झूला पुल दिखाई दे रहा था। बाद में पता चला कि यह ओकलैंड बे ब्रिज है जिसे केवल बे ब्रिज भी कहा जाता है।

ज्यों-ज्यों सैन फ्रांसिस्को का एअरपोर्ट निकट आ रहा था, बादल के हल्के पारदर्शी दुपट्टे उड़ते हुए पीछे जा रहे थे। सहसा सूरज ने उन पर अपनी किरणें डालकर एक इन्द्रधनुष रच दिया। यह उड़ते विमान से देखा गया मेरा पहला इन्द्रधनुष था। मैं चमत्कृत था। जब तक मैं उस इन्द्रधनुष को अपनी आँखों में भर पाता, तब तक विमान आगे बढ़ गया था द्य उसे हमें एअरपोर्ट पर उतारने का वादा जो निभाना था।

जब बादल हटे तो उड़ते हुए विमान की छाया धरती पर पड़ने लगी। यह एक किसी उड़ते हुए एक छोटे पक्षी-सी लग रही थी। विमान में पाँच सौ से अधिक यात्री थे द्य विमान के साथ सभी यात्री भी छाया में सिमट गए थे। मुझे गिरिजाकुमार माथुर की कविता याद हो आई। आदमी कितना छोटा है,पर उसका अहम कितना बड़ा होता है।

हम सब केवल एक छाया बन गए थे। तमाम विविधताएँ मिट गई थीं। छाया पहाड़ों को सरलता से लाँघती रही थी। न समुद्र, न छोटी-बड़ी इमारतें और न ही ऊँचे-नीचे पहाड़ छाया के रास्ते को रोक पा रहे थे। छाया विमान का पीछा कर रही थी द्य तू जहाँ-जहाँ चलेगा मेरा साया साथ होगा। जब तक बादलों ने मजबूर नहीं किया छाया ने विमान का साथ नहीं छोड़ा। यदि मुझे विंडो सीट न मिली होती तो यह सब मैं नहीं देख पाता।

45 मिनट की ड्राइव के बाद हमकूपर्टीनो पहुँच गए। अगले दिन सुबह विनय ने हमें घूमने का रास्ता और यहाँ के क्रासिंग करने के नियम वगैरह समझा दिए थे । कुछ फूलों से भी हमारा परिचय करा दिया था। जैसे खुशबूदार लेवेंडर। उसकी फूलों की मंजरी को हाथ लगाओ तो खुशबू जैसे हाथ में चिपककर नथुनों में समाने को आतुर हो जाती हो । यह बैंगनी रंग का फूल खुशबू के लिहाज

से मुझे भारत में पाए जाने वाली जंगली तुलसी (दवने) जैसा लगा । मालवा में इसे मरवा भी कहा जाता है।

यहाँ के फूलों ने तो दिल ही जीत लिया। इन्हें देख मुझे योगेश के लिखे 'मिली' फिल्म के गीत के बोल बरबस याद आ गए-'मैंने कहा फूलों से/ हँसो तो वो खिल खिला कर हँस दिए...' हमें तो कहने की जरूरत ही नहीं थे कि हँसो। वे तो यूँ ही हँसे जा रहे थे। और हमें भी प्रसन्न कर रहे थे। अपनी सुन्दरता से लुभा रहे थे। सोचता हूँ ये किसी आम भारतीय शहर या गाँव में होते तो ऐसे मुस्कुरा पाते!

कुपर्टीनो सैन फ्रांसिस्को के बे एरिया का सुन्दर शहर है। इसकी आबादी साठ हजार से अधिक है। शहर में 63 फीसदीलोग एशिया से हैं। इनमें भारत, चीन और जापान मूल के लोग अधिक हैं। यह शहर संयुक्त राज्य के कैलिफ़ोर्निया राज्य में सांटा क्लारा काउंटी में सैन होज़े के पश्चिम की ओर स्थित है। यह खाड़ी क्षेत्र दुनिया भर में सिलिकॉन वैली के रूप में प्रसिद्ध है।

गुलाब के फूल सूरजमुखी के फूल जितने बड़े।और विविध रंगों के सफ़ेद, गुलाबी, लाल। गुलाब के आलावा भी कई आकार-प्रकार के फूल जिनके नाम भी मुझे मालूम नहीं। कोई लाल तो कोई नीले रंग का। कोई बैंगनी तो कोई पीले रंग का।

कई पेड़ों पर पके हुए बड़े-बड़े संतरे लदे हुए थे। संतरे भी बड़े आकार के जैसे छोटा-मोटा खरबूजा ही हो। उन्हें तोड़ने वाला भी कोई नहीं।कुछ संतरों को तो ज़मीन पर यूँ ही पड़े-पड़े खराब होते हुए देखा। यहाँ का प्याज भी खरबूजे जितना बड़ा होता है। छोटे परिवार में एक प्याज चार दिन तक चल सकता है। दूध भी छोटे मुँह और बड़े पेट वाली बोतलों में एक साथ लाकर फ्रिज में रखना पड़ता है। यहाँ दूधवाला नहीं आता और न ही आसपास

दूध डेरी की दुकान है।

हम तो फूल को खिलने से पहले ही तोड़ा लेते हैं। यहाँ तक कि कलियों को ही नोंच लिया जाता है। खुद की जमीन पर फूल के पौधे लगाने और उगाने की जहमत कोई नहीं उठाता। न पार्किंग या गार्डन के लिए जगह नहीं रखेंगे। कार पार्क करने के लिए सड़क है तो! सड़क को तंग गली बनाने की कला कोई हम से सीखे। उतनी जमीन में तो हम कमरे बनाकर किराए से दे देते हैं। भगवान की पूजा भी चोरी के फूलों से करने में ज़रा भी अपराध बोध नहीं होता । भले ही फूल उगाने वाला चिल्लाता रहे। खीजता रहे। फूलों को नोंचने में हमें कोई शर्म नहीं आती और न ही अफसोस होता है। इसी तरह फल भी बच जाएँ तो गनीमत है।

हम ब्लेनी अवेन्यू सड़क की साइड वाक से जा रहे थे। कारें सड़क पर फर्राटे से दौड़ रही थीं । साँय-साँय की आवाज आ रही थी लेकिन कहीं कोई पों-पों, पीं-पीं का शोर नहीं। गाड़ियों को हॉर्न बजाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। यातायात अबाध गति से चल रहा था। सड़क पर साइकिल चालकों के लिए भी एक अलग लेन थी। कोई बीच सड़क से क्रास नहीं करता। जहाँ क्रासिंग की निर्धारित जगह होती है वहीं से सड़क क्रास करना होती है।

कारें अनिवार्य रूप से क्रासिंग पर रूकती। पहले पैदल चलने वाले को निकलने दिया जाता है। बाद में कार सड़क क्रॉस करती है। यह नियम है और इस नियम को कोई तोड़ता नहीं। यहाँ किसी का रसूख नहीं चलता। यही कारण है कि सड़क पर चलने वाले को कोई असुविधा नहीं होती। पैदल चलने वालों का इतना ख्याल रखने वाले देश को मैं सेल्यूट करता हूँ। इस सुव्यवस्था और सुन्दरता के लिए यहाँ के नागरिक और सरकार की जितनी प्रशंसा करें, उतनी कम है।

शहर में चलते-चलते मुझे एक घर के सामने अचानक पंचफूली के लाल-गुलाबी-पीले रंग के सुन्दर फूल नज़र आए तो मेरी ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहा। ऐसा लगा जैसे परदेश में कोई अपने इलाके का कोई परिचित मिल जाए। पंचफूली को अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। कोई बारामासी कहता है तो कोई लड़य्या। तेलगु में पुलीखुम्पा और तमिल में उन्नीचाड़ी कहते हैं। ऐसी ही खुशी यहाँ कनेर के फूलों को देखकर भी हुई।

अंकिता ने बताया था कि यहाँ से वेस्ट में लॉसन स्कूल है,आप उधर भी घूमने जा सकते हो। हमें नई जगहें और रास्ते देखने ही थे। हम सुबह उधर चले गए। एक गोरी सी महिला जो सड़क के दूसरी ओर से आ रही थी। उसने उधर से ही हमें देखकर हाथ हिलाते हुए 'हेव ए नाइस डे' कहा तो मन प्रसन्न से भर उठा।

लॉसन स्कूल के मैदान की ओर एक गेट खुला था। हम पशोपेश में थे कि भीतर जाएँ या नहीं। एक शख्स तमाम गरम कपड़े पहने हुए घूमते हुए आ रहे थे। हमारी हिम्मत बढ़ गई। हम उस खुले हुए गेट से अन्दर चले गए। हम जान बूझकर उनके आने तक रुके रहे। मैंने अंग्रेजी में उनसे पूछा कि क्या हम यहाँ घूम सकते हैं! उन्होंने अपनीहुडी से ढके कानों में से हियरिंग बड निकाली और हमारी बात समझने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि आप हिंदी में बोलिए, मुझे हिंदी आती है। यह जानकर मैं अचरज करने लगा। उन्होंने आगे कहा-'हाँ, मुझे हिंदी, तेलुगु और संस्कृत भीआती है। इस देश और शहर में वे पहले सर्वथा अपरिचित शख्स थे जिनसे परिचय हुआ। उन्होंने बताया कि यहाँ आप शनिवार और रविवार को पूरे दिन घूम सकते हो। बाकी दिनों में सुबह छह बजे से पहले और शाम को चार बजे के बाद घूम सकते हो। बाद में उनसे उनके घर पर भी मुलाकात हुई।

कटाक्ष

शांतिलाल जैन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

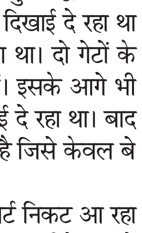

झेड प्लस प्लस से झेड स्क्वयेयर सिक्सटीन तक

सिस्टम में धंसा एक आदमी जब अपने को महत्वपूर्ण मनवाने के लिए अति करने पर उतर आए तो अतिमहत्वपूर्ण व्यक्ति का लेवल चस्पा करवा लेता है। पहलेउन्होंने किया, आज बनवारी ने करा लिया है। वीवीआईपियों की भीड़ से बैकुंठ संकड़ा पड़ गया है। जीवनशैली में वे आने वाले समय में आ सकने वाले बदलावों से आज ही डरने लगे हैं। वे आगे देख पा रहे हैं कि वीवीआईपी इतने अधिक हो गए हैं कि शाही स्नान के दिन गाड़ी सीधे गंगा के घाट तक नहींले जा पा रहे हैं। वीवीआईपिओं की भीड़ में भगदड़ मच गयी है और वे कुचले जा रहे हैं। उनसे कहा जा है कि सर वीवीआईपी-क्यू उस तरफ लगी है, कृपया उधर से। अभी तक तोउन्हें कभी किसी क्यू में लगना ही नहीं पड़ा मगर हर किसी ऐरे गैरे नत्थू खैरे को वीवीआईपी स्टेटस दिए जाने से अब उनको लाइन में लगना पड़ रहा है। मंदिरों में प्रोटोकॉल पाए भक्तों की लाइन आम भक्तों की लाइन से ज्यादा लंबी हो गई है। ये क्या, उनकी गाड़ी ट्राफिक सिग्नल पर रोक दी गई है।

सर, सारी गलती अंग्रेजों की है। अल्फाबेट में 'झेड' से आगे कोई अक्षर ही नहीं बनाया आलसियों ने। बनाया होता तो बनवारी हमेशा आपके लेवल की सिक्युरिटी से दो चार अक्षर पीछे ही रहा होता।' - पीएस ने सर का मूड नार्मल करने की कोशिश की। पार्टी में पिछले दिनों अपने घोर विरोधी बनवारी को झेड लेवल की सिक्युरिटी दो प्लस के साथ मिल गई है, बस तभी से वे खिन्न हैं। हालाँकि झेड प्लस प्लस सिक्युरिटी उनके पास पहले से ही है। मगर दूसरों को भी मिल जाने से दुखी हैं। अंदेशे में दुबले हो रहे हैं। अंदेशा वाजिब भी है श्रीमान। एकबार आदमी साधारण से चलकर 'वीवीआई' मकाम तक पहुँच जाए, 'पी' तो महज़ फ्लैश एंड ब्लड वाला परसन भर रह जाता है, आदमियतखो जाती है।

सिस्टम में धंसा एक आदमी जब अपने को महत्वपूर्ण मनवाने के लिए अति करने पर उतर आए तो अतिमहत्वपूर्ण व्यक्ति का लेवल चस्पा करवा लेता है। पहलेउन्होंने किया, आजबनवारी ने करा लिया है। वीवीआईपियों की भीड़ से बैकुंठ संकड़ा पड़ गया है। जीवनशैली में वे आने वालेसमय में आ सकने वाले बदलावों से आज ही डरने लगे हैं। वे आगे देख पा रहे हैं कि वीवीआईपी इतने अधिक हो गए हैं कि शाही स्नान के दिन गाड़ी सीधे गंगा के घाट तक नहींले जा पा रहे हैं। वीवीआईपिओं की भीड़ में भगदड़ मच गयी है और वे कुचले जा रहे हैं।उनसे कहा जा है कि सर वीवीआईपी-क्यू उस तरफ लगी है, कृपया उधर से। अभी तक तो उन्हें कभी किसी क्यू में लगना ही नहीं पड़ा मगर हर किसी ऐरे गैरे नत्थू खैरे को वीवीआईपी स्टेटस दिए जाने से अब उनको लाइन में लगना पड़ रहा है। मंदिरों में प्रोटोकॉल पाए भक्तों की लाइन आम भक्तों की लाइन से ज्यादा लंबी हो गई है। ये क्या, उनकी गाड़ी ट्राफिक सिग्नल पररोक दी गई है।

तीखी धूप में जाम में फंसी जनता को देख उनका वीवीआईपी सुख चरम को पाजाता था, बनवारी प्रकरण के बाद ऐसा नहीं हो पा रहा है। वीवीआईपी रोक दिए गए हैं, बताईए भला। एसपी साब सफाई देरहें हैं - 'सर ये जो ट्राफिक देख रहे हैं आप वीवीआईपियों का ही है। आम आदमी ने तो घर से निकलना ही बंद कर दिया है। सॉरी सर। ग्रीन हो गया है निकल जाईए।' अभी तक स्टेट प्रोटोकॉल ऑफिसर उनकी अगवानी को आता रहा मगर पिछले दिनों प्रोटोकॉल ऑफिसर को ही वीवीआईपी कादर्ज़ा मिल गया है। कौन किसको रिसीव करे - अफरा तफरी मची है। उधर सर्किट हाऊस में पहले से इतने वीवीआईपी रुके हैं कि उनके लिए पोर्च में दरी बिछाकर सोने की नौबत आ गयी है। खानसामा वीवीआईपी बनने की जुगाड़ में कहीं बिजी है। ब्रेडपर बटर-जैम उनको खुद लगाना पड़ रहा है। वे तीन दिन से ट्राय कर रहे हैं वीआईपी कोटे में बर्थ कन्फर्म नहीं हो पा रही। अभी तक वे कानून से ऊपर थे मगर वीवीआईपियों की धक्कामुक्की में नीचे गिर गए हैं।

अभिजात्य अभिजात्य नहीं रहा, आम हो गया है। इस कदर कि ये साला पीएस जो अभी तक यस सर यस सर करता हुआ झुकी झुकी कमर लिए खड़ा रहता था, तन कर खड़ा होने लगा है, डिक्टेशन लेने में इसकी नानीमरने लगी है। इतने बुरे दिन पहले कभी नहीं आए थे। वे भविष्य के ऐसे दृश्यों की कल्पना मात्र से पसीना पसीना हो गए हैं, और सजगता में लौट आए हैं। उन्होंने पूछा -'बनवारीसे आगे कैसे रहा जा सकता है? होम मिनिस्टर से बात करके देखा जा सकता है, हिंदी के अक्षर से चलें तो 'ढ-प्लस' या 'ज्ञ-प्लस' तक भी जाया जा सकता है।''नहीं सर, ऐसी गलती मत कीजिएगा। बेईज्जती हो जाएगी। हिंदी तो अब पानवाले तक यूज नहीं करते आप सिक्युरिटी लेवल कीबात कर रहे हैं।''तब क्या किया जाए? अपन के झेड में आलरेडी दो प्लसलगे है, अबबनवारी के भी लग गए हैं, कुछ तो करना पड़ेगा।''सर, स्क्यवेयर लगवा लीजिए। झेड स्क्यवेयर सिक्सटीन, झेड स्क्यवेयर थर्टी टू ऑर सिक्सटी फोर। समथिंग लाईक दैट। बाकियों को वहाँ तक पहुँचनेमें टाईम लगेगा। फिर आप पुराने वीवीआईपी जो हैं। सिनिओरिटी काउंट होनी चाहिए।'बात तो ठीक है।

कुछ देर सोचकर उन्होंने अपने आप को संयत किया, उठ खड़े हुए, पीएस को गाड़ी पोर्च लगवाने का निर्देश दिया। होम मिनिस्टर से मिलने के लिए निकलने वाले हैं। बीच में मंशामन मंदिर में रुकेंगे, शीश नवाएँगे, मन्नत मांगेंगे - प्रभु, झेड स्क्यवेयर सिक्सटीन लेवल की सुरक्षा का प्रोटोकॉल बने जो उन्हें और सिर्फ उन्हें ही नसीब हो। शीघ्र ही हम उनकी मंशा फलीभूत होते देखेंगे। देखेंगे आर्यावर्त में अभिजात्य के टापू के बीच एक सुपर-अभिजात्य टापू निकल आया है।

पिछले साल 17027 बच्चों का हुआ था पंजीयन, इस साल जून तक पहली कक्षा में 12045 बच्चों का प्रवेश

चिंताजनक : हर साल घट रही सरकारी स्कूल में बच्चों की संख्या

संजय द्विवेदी, बैतूल। बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने हर साल स्कूल चले हम अभियान चलाया जाता है, इसके बाद भी सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या घट रही है। हालात यह है कि कक्षा पहली में दर्ज छात्रों की संख्या में तेजी से गिरावट आई है। इस साल महज 12045 बच्चों ने ही पहली में प्रवेश लिया है, जबकि पिछले साल यह संख्या 17027 थी। छात्र संख्या में आ रही गिरावट के कई कारण बताए जा रहे हैं। बता दे कि शिक्षा विभाग हर साल स्कूल चले हम अभियान चलाता है। इस साल भी अभियान की शुरुआत अप्रैल में स्कूल खुलने पर की गई थी। शिक्षकों ने ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर दस्तक देकर बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिलाने की कवायद की, लेकिन बड़ी सफलता नहीं मिल सकी। उल्टे पिछले साल से कम बच्चे दर्ज हुए हैं। इसके पीछे वैसे तो कई कारण बताये जा रहे है, लेकिन इसमें मुख्य कारण स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव और आरटीई के तहत निजी स्कूलों में बच्चों का प्रवेश है। इसके अलावा यह भी देखा जा रहा है कि वर्तमान समय में निजी स्कूलों द्वारा अपने स्कूल का प्रचार प्रसार भी सरकारी स्कूलों की तुलना में व्यवस्थित ढंग से बड़े स्तर पर किया जाता है, और कहते हैं न कि जो दिखता है वही तो बिकता है। इन ही कारणों से सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या घट रही है। खबर के संबंध में जिला शिक्षा केन्द्र के जिला परियोजना समन्वयक जितेन्द्र भनारिया जी से व्यक्तिगत मिलकर चर्चा करने का प्रयास किया, परंतु वे उपलब्ध नहीं थे एवं कईयों बार उनके मोबाइल पर चर्चा करने के लिए फोन किया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

जिला मुख्यालय में दर्ज छात्रों की संख्या सबसे कम- जिला मुख्यालय बैतूल में दर्ज छात्रों की संख्या सबसे कम है। कक्षा पहली में वर्ष 2024 में जहां 3065 बच्चों के नामांकन दाखिल किए गए थे। वहीं 2025 में यह आंकड़ा 1897 पर सिमटकर रह गया है। भैंसदेही में वर्ष 2024 में 1718 बच्चों ने कक्षा पहली में प्रवेश लिया था, लेकिन इस साल यह संख्या घटकर 977 पर पहुंच गई है। यह अकेले दो ब्लॉकों की स्थिति नहीं बल्कि जिले के दसों ब्लॉकों में यही हालात है। जिले में करीब 2 हजार प्राथमिक स्कूल हैं। इनमें कई प्राथमिक स्कूल ऐसे हैं जहां पहली में दर्ज बच्चों की संख्या महज चार से पांच है। शैक्षणिक वर्ष 2024 में सरकारी स्कूलों में 9149 बच्चों ने पहली में प्रवेश लिया था। इस साल यह संख्या घटकर 8889 रह गई है। जबकि पूर्व में पिछले सात -आठ वर्षों में देखा जाए तो यह आंकड़ा 25 हजार से ऊपर रहा करता था। गौरतलब है कि पिछले एक-दो वर्षो में बैतूल जिले में 7 से 8 प्राइमरी स्कूलों में छात्रों की संख्या नगण्य रहने के कारण बंद करके वहां के इक्का-दुक्का छात्र को समीपस्थ के स्कूलों में मर्ज कर दिया गया। अभी भी कई प्राथमिक स्कूल ऐसे है, जहां छात्रों की संख्या नाममात्र की ही है।

कई योजनाएं, फिर भी एडमिशन से दूरी- शासकीय स्कूलों में बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन योजना चलाई जा रही है। साथ निशुल्क पाठ्यपुस्तक के साथ गणवेश वितरण किया जाता है और शिक्षा में गुणवत्ता लाने शासन शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाता है। फिर भी सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओ की दर्ज संख्या कम होना चिंताजनक है। अभिभावकों का कहना है कि शहर के शासकीय स्कूलों की शिक्षा में अब पहले जैसी गुणवत्ता नहीं रही। पहले सरकारी स्कूलों की पढ़ाई निजी स्कूलों से बेहतर थी, लेकिन अब शासकीय स्कूल के शिक्षकों को कई प्रकार के शासकीय कार्यो में लगा दिया जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है।

स्कूल चले हम अभियान महज खानापूर्ति- हर साल बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्कूल चले हम अभियान चलाया जाता है। शिक्षक घर-घर दस्तक देकर अभिभावकों को बच्चों का एडमिशन कराने के लिए प्रेरित करते है, लेकिन अभिभावक सरकारी स्कूलों में एडमिशन कराने में दिलचस्पी नहीं दिखाते है। कई अभिभावक निजी स्कूलों में बेहतर पढ़ाई होने की मानसिकता के कारण सरकारी स्कूल में एडमिशन नहीं कराते है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों की यहीं मानसिकता बन रही है। जिसके कारण शहरी क्षेत्र ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों के भी सरकारी स्कूलों में बच्चों की दर्ज संख्या में गिरावट आई है।

छात्रों की संख्या कम होने का यह है प्रमुख कारण- सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या कम होने का मुख्य कारण यह भी है कि सरकारी स्कूलों में उचित कक्षाएं, स्वच्छता और डिजिटल संसाधनों सहित आवश्यक सुविधाओं का अभाव है। लोगों का मानना है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षण की गुणवत्ता निजी स्कूलों की तुलना में कम है, जिससे माता-पिता बच्चों को निजी स्कूल भेज रहे। कुछ सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, अपर्याप्त बुनियादी ढांचा और शिक्षण सामग्री की कमी के कारण शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। जिसकी वजह से अभिभावक सरकारी स्कूलों में बच्चों का एडमिशन कराने में दिलचस्पी नहीं लेते है।

ग्रामीण क्षेत्र की ओर रवाना हुआ मलेरिया रथ

बीएमओ ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बैतूल/मुलताई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई में मलेरिया रथ का आगमन हुआ, जिसे बी.एम.ओ डॉ. गजेन्द्र मीणा द्वारा हरी झंडी दिखाकर विकासखंड के ग्राम कोल्हिया, मालेगांव, हतनापुर, बरई, परमंडल, एवं अन्य ग्रामों मे रवाना किया। मलेरिया रथ के माध्यम से आमजन को मलेरिया से संबंधित जन जागृति एवं प्रचार प्रसार कर मलेरिया के लक्षण एवं बचाव की जानकारी दी गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई में मलेरिया माह जून 2025 के उपलक्ष्य में एम. आई दिवाकर, किनकर द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उपस्थित बी.एम.ओ डॉ. गजेन्द्र मीणा द्वारा मलेरिया डेंगू, चिकनगुनिया बीमारियो पर चर्चा की गई एवं बचाव संबंधित समझाईश दी गई। एम.आई द्वारा बताया गया कि घरो के संग्रहित पानी को हफ्ते में 1 बार खाली कर टाके टंकी को साफ धोकर सुखाकर नया पानी भरे एवं ढाक कर रखे घरो मे छत पर रखे। नारियल के खोल, मटके एवं अन्य बेकार के कंटेनर में पानी जमा न होने दे। घरो के आस-पास के गड्ढों को मिट्टी से भर दे और नालियो की निकासी करते रहे। शाम को नीम के पत्ती का धुआ करे। फुल आस्तीन के कपड़े पहने तथा रात में मच्छरदानी मे सोये। बुखार आने पर तत्काल आशा कार्यकर्ता से खून की जांच कराये। कार्यशाला के अंत में मलेरिया से बचाव हेतू शपथ ग्रहण किया गया। कार्यशाला में उपस्थित बीपीएम प्रवीण नागले, बीसीएम चंदन भलावी, सेक्टर सुपरवाइजर सीएचओ, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, आशा कार्यकर्ता एवं अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

राकेश मालवीय को मनोज पाठक न्यू मीडिया पुरस्कार

भोपाल। स्वतंत्र पत्रकार और सामाजिक विषयों पर सक्रिय राकेश कुमार मालवीय को प्रथम मनोज पाठक न्यू पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार

प्रतिष्ठित माधवराव सप्रे संग्रहालय की ओर से दिया जा रहा है। 21 जून 2025 को संग्रहालय में आयोजित अलंकरण समारोह में यह पुरस्कार राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य प्रकाश दुबे प्रदान करेंगे। इस मौके पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी का व्याख्यान होगा। राकेश पत्रकारिता विवि के पूर्व विद्यार्थी हैं। इन दिनों वह प्रतिष्ठित पर्यावरण पत्रिका डाउन टू अर्थ के लिए लिखते हैं। वह सामाजिक संस्था विकास संवाद से भी जुड़कर काम करते हैं।

जहां-जहां भाजपा सरकार, वहां-वहां विकास और जन कल्याण : हेमंत खंडेलवाल

बैतूल। भाजपा प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार में चल रहे कार्यक्रम विकसित भारत, अमृत काल, सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में 30 मे से 26 संगठनात्मक मंडलो में विकसित भारत संकल्प सभा आयोजित की गई। गुरूवार को खेडीसावलीगढ, बडोरा, बैतूल गंज व कोठीबाजार मंडल की संकल्प सभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष बेमिसाल और कई मामलों में अकल्पनीय और जनकल्याण को समर्पित रहा है। पहले हर वर्ष गरीबों की संख्या निरंतर बढ़ती रहती थी और गरीबी रेखा की सूची लगातार इजाफा होता रहता था, किंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शानदार 11 वर्षों में 25 करोड से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आकर एक अच्छा जीवन व्यतीत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शानदार ऐतिहासिक वर्षों में उपलब्धियां हजारों हैं। प्रधानमंत्री आवास, किसान सम्मान योजना, लाडली बहना योजना, विधायिका में महिला आरक्षण सहित देश के आंतरिक और बाह्य मामलों में शानदार उपलब्धियां अर्जित की है। ऑपरेशन सिंदूर से देश और देशवासियों का स्वाभिमान बढ़ा है। जिसके लिए देश की करोडों-करोड़ों जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करते हुए दिखाई दे रही है। सभा को संबोधित करते हुए बैतूल विधायक हेमंत

खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में देश के साथ-साथ प्रदेश और हमारा जिला निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार हैं। वहां-वहां विकास और सिर्फ विकास की गंगा बह रही है। 2014 कि पहले हमारे जिले मे ही गैस कनेक्शन और बिजली के लिए लोगो को परेषान होना पडता था। राषन के लिए लंबी लाईने लग रही थी। पीने के पानी को लेकर जनता में हाहाकार मचा हुआ था। वहीं किसानो को सिंचाई के लिए रात रात भर जागना पडता था। अब मोदी जी के आने के बाद से स्थितीयों में परिवर्तन आया है। कुछ कांग्रेसी कहते है कि हमने काम ही नही किए तो लोग परेषानी ही नही बताते भाजपा काम करने पर विष्वास करती है। अटलजी के कार्यकाल में गांव शहर से पक्की सडको के साथ जुडे तो शहर महानगरो से जुड गए। आज हर क्षेत्र में विकास दिखाई देता है। सभा का संचालन करते हुए अभियान के जिला संयोजक कमलेश सिंह ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि जिले के 26 संगठनात्मक मंडलो में यह संकल्प सभा आयोजित की जा चुकी है आने वाले दिनो में 21 जून को योग दिवस और 23 जुन को डा.श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस और 25 जून को आपातकाल की 50 वीं बरसी के साथ साथ शक्ति केन्द्रो सहित बूथ स्तर पर कार्यक्रम होगें। सभा के अंत में श्री खंडेलवाल ने उपस्थित जन समुह को विकसित भारत 2047 के लिए करणीय कार्यो का संकल्प दिलाया व सभा का समापन जन गण मन से हुआ। इस दौरान मंडल अध्यक्ष नीतिन बारस्कर, नीतू पटेल, विकास मिश्रा सहित पार्टी पदाधिकारी एवं शक्ति केन्द्रो के संयोजक सह संयोजक, बूथ समिति सहित बडी संख्या में उपस्थित रहे।

अपने भीतर के पत्रकार को जगाए रखें : कुलगुरु तिवारी

सरकार और समाज के बीच सेतु का कार्य करते हैं पीआरओ : प्रवीण दुबे

भोपाल (नप्र)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में मध्यप्रदेश जनसंपर्क विभाग के नवनियुक्त सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ गुरुवार को विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी एवं अपर संचालक गुरमीत सिंह वाधवा ने किया। इस अवसर पर कुलगुरु श्री तिवारी ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों में जन शब्द लगा है इसीलिए उन्हें जन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पी आर ओ को लिखते समय अपने भीतर के पत्रकार को मरने नहीं देना चाहिए, उसे हमेशा जगाए रखना चाहिए। श्री तिवारी ने कहा कि पीआरओ सीधे जनता से जुड़ेंगे तो जनता को अच्छा लगेगा। अच्छा लिखने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि अच्छा लिखने का सामर्थ अच्छा पढ़ने से आता है इसलिए आपको खूब पढ़ना चाहिए ताकि अच्छा लिख सको। श्री तिवारी ने कहा कि अगले 25 साल अतिमहत्वपूर्ण हैं। 2047 में जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तो इसमें आपका भी योगदान और भूमिका बहुत बड़ी होगी। कुलगुरु ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को अच्छी मंशा एवं नियत के साथ कार्य करना चाहिए। गांव में बहुत अच्छे अच्छे कार्य करने वाले, नवाचार करने वाले लोगों से, सरपंचों से मिलना चाहिए और उनकी कहानियों को लेखन के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यान, इंफ्रास्ट्रक्चर आदि जनता से सीधे जुड़े विषय पर लेखन करने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि आप जिस भी जिले में जाएं उसके इतिहास, वहां की खूबियों के बारे में अवश्य जानकारी रखें।

जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक श्री गुरमीत सिंह वाधवा ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारियों को रुटीन खबरों के अलावा यूनिक एवं हटके खबरें देने का प्रयास करना चाहिए। हमेशा सजग रहने की बात करते हुए उन्होंने कहा कि पीआरओ को सफल होना है तो मीडिया के साथ समन्वय बहुत जरूरी है। उन्होंने समाचार लेखन में सुधार की चर्चा करते हुए कहा कि अखबारों की लीड और हेड लाइन को प्रतिदिन देखें और उनसे भी कुछ नया सीखे। श्री वाधवा ने कहा कि सोशल मीडिया से पहले जनसंपर्क विभाग का काम सुबह 10 से शाम 6 तक का था, लेकिन आज के दौर में यह काम 24 घंटे का हो गया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के कारण आपको सावधानी और सतर्कता के साथ अपनी भूमिका निभाना है। वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण दुबे ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारी सरकार और समाज के बीच ब्रिज का काम करते हैं। वर्तमान युग सोशल मीडिया का है अतः पी.आर.ओ. की भूमिका भी बदल गई है। पहले प्रचार प्रसार मुख्य कार्य था लेकिन आजकल क्राइसिस मैनेजमेंट जैसी जिम्मेदारी भी निभाना रही रहा है। श्री दुबे ने जनसंपर्क अधिकारियों को केश करने पढ़ने एवं सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करते समय विशेष सतर्कता बरतने को कहा। शुभारंभ सत्र के बाद अगले सत्र में मध्यप्रदेश की भौगोलिक जानकारी, क्षेत्रफल, जनसंख्या विषय पर विषय विशेषज्ञ सी.के. शर्मा ने महत्वपूर्व जानकारी प्रदान की।

नपा कर्मचारियों ने लगाया दुकानों के सामने गंदगी का अंबार

व्यापारी 20 दिनों से लगा रहे गुहार, अधिकारियों की भी नहीं सुनते कर्मचारी

बैतूल/मुलताई। नगर पालिका मुलताई स्वच्छता के नाम पर प्रति माह लाखों रुपए खर्च करती है, किंतु इसके परिणाम दिखाई नहीं देते। जगह-जगह पड़े गंदगी के ढेर स्वच्छता अभियान को मुँह चिढाते प्रतीत होते हैं। नगर की गलियों और मुख्य मार्ग की गंदगी तो और बात है किंतु नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा लगाए गए गंदे के देर भी 20-20 दिनों तक नहीं उठाए जाते और यह व्यापारियों के लिए बड़ी समस्या बन जाती है। नाका नंबर एक पर बीते दिनों नगर पालिका कर्मचारियों ने नागपुर मुख्य मार्ग पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं वर्तमान इंदिरा गांधी वार्ड के पार्षद जीए बारस्कर के मकान के ठीक सामने सेफ्टी टैंक का गंदा पानी बहने की शिकायत पर नगरपालिका ने सेफ्टी टैंक का गंदा पानी जिस स्थान पर जमा हो रहा था, यहां से बड़े मात्रा में गंदा एवं बदबूदार मलवा निकालकर डहारे मेडिकल

स्टोर एवं श्री कृष्णा बेकरी जनरल स्टोर के सामने गंदे मलवे का पहाड़ खड़ा कर दिया और नगर पालिका के कर्मचारियों को यह मलवे का पहाड़ खड़ा किए। गुरुवार के दिन तक 20 दिन हो गए है। मेडिकल स्टोर संचालक गौरव डहारे बताते हैं कि बदबूदार मलबे के पास खड़े रहना तो दूर गुजरा कठिन है। बदबू के कारण दुकानों पर ग्राहकों का आना-जाना दुश्वार हो गया है। इसके बावजूद हम लोगों को यहां बैठकर व्यापार करना पड़ रहा है। इसको लेकर नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारियों से लेकर पार्षद सभी से शिकायत की जा चुकी है किंतु कोई नतीजा नहीं निकला।

अधिकारियों की भी नहीं सुनते कर्मचारी- सेफ्टी टैंक के गंदे मलबे से हो रही व्यापारियों को परेशानी के बाद जब व्यापारी ने नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर इसकी शिकायत उपयंत्री महेश शर्मा से की। जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए महेश शर्मा ने संबंधित कर्मचारियों को फोन से कहा कि समय से हटा लिया जाना चाहिए था। लोगों को दिक्कत हो रही है। इसे हटाकर तत्काल इसकी फोटो मुझे भेजें, किंतु गुरुवार तक तीन दिन बाद भी नागपुर रोड नाका नंबर एक का मलबा नहीं हटाया जा सका था और इन तीन दिनों में उपयंत्री को प्रतिदिन फोन करके मलवा नहीं हटने की जानकारी दी जाती। उपयंत्री संबंधित कर्मचारियों को मलवा तत्काल उठाने की बात कहते रहे, किंतु समाचार लिखे जाने तक इस समय इस समस्या का कोई हल नहीं निकल सकता था। अब बड़ा प्रश्न यह है कि जब अधिकारी के कहने पर भी सफाई कर नहीं हो पा रहा है, तो नगर में स्वच्छता का आलम और आम व्यक्ति की स्थिति का अंदाजा स्वयं ही लगाया जा सकता है।

इनका कहना है -

कर्मचारियों को तत्काल मलवा उठाने को कहा गया था, अभी तत्काल और फोन करके कर्मचारियों को मलवा हटाने का कहता हूं।

– **महेश शर्मा,** उप यंत्री नगर पालिका मुलताई

आज मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के गौ-पालक एवं गौ-शाला संचालकों से करेंगे संवाद

गौ-शालाओं को लगभग 90 करोड़ रुपए की राशि होगी अंतरित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री निवास पर 20 जून को प्रदेश के गौपालकों एवं गौशाला संचालकों से संवाद करेंगे। साथ ही गौशालाओं को लगभग 90 करोड़ रूपये की राशि अंतरित करेंगे। मुख्यमंत्री निवास पर गौ-शाला सम्मेलन दोपहर 12 बजे से होगा। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल भी उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में प्रदेश के समस्त जिलों से शासकीय एवं अशासकीय गौ-शाला संचालक एवं प्रतिनिधि शामिल होंगे.

प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी श्री उमाकांत उमराव ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में पंजीकृत गौ-शालाओं में गौवंश के उचित व्यवस्थापन के लिए आर्थिक अनुदान को रू. 20 प्रति गौ वंश प्रति दिवस से बढाकर रू. 40 प्रति गौ वंश प्रति दिवस किया गया है। इसके अनुसार गौ-शालाओं में पालन किए जा रहे गौ वंश के लिए माह अप्रैल व मई 2025 की अनुदान राशि लगभग 90 करोड़ की किश्त सम्मेलन में जारी की जाएगी.

सम्मेलन में आचार्य विद्यासागर जीव दया गौ-सेवा सम्मान योजना के अंतर्गत चयनित गौ-शालाओं एवं संस्थाओं को गौ-सेवा पुरस्कार प्रदान किए जायेंगे। प्रथम पुरस्कार रुपए 5 लाख, द्वितीय पुरस्कार रुपए 3 लाख, तृतीय पुरस्कार रुपए 02 लाख तथा सांत्वना पुरस्कार 50-50 हजार रुपए के प्रदान किए जाएंगे. गौसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए व्यक्तिगत श्रेणी में प्रथम पुरस्कार रूपये 01 लाख, द्वितीय पुरस्कार रूपये 50 हजार एवं तृतीय पुरस्कार रूपये 20 हजार का दिया जाएगा।

प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कामधेनु योजना प्रारंभ की गई है, जिसमें डेयरी व्यवसाय के लिए 25 दुधारू पशुओं से लेकर 200 दुधारू पशुओं तक की योजनाएं स्वीकृत हो सकेंगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा इस योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए जाएंगे. सम्मेलन में नवीन गौ-शालाओं को पंजीयन प्रमाण पत्र तथा म.प्र.गौ-संवर्धन बोर्ड एवं दयोदय महासंघ के सहयोग से हितग्राहियों को ट्रेक्टर, ट्राली वितरण भी किया जाएगा। सम्मेलन में 'पशुपालन के क्षेत्र में प्रदेश के बढ़ते कदम' विषय पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी होगा।

विधायक ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में लिया भाग

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जल संरक्षण और नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित

बैतूल। गुरुवार को नगरपरिषद शाहपुर में माचना तट पर जय गुरुदेव उत्थान संस्थान द्वारा आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जल संरक्षण, गंगा संवर्धन अभियान और नशा मुक्ति कार्यक्रम में विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके जी शामिल हुईं। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष रोहित विक्की नायक, जिला समन्वयक मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद प्रिया चौधरी और जय गुरुदेव उत्थान नवांकुर संस्था अध्यक्ष मीनाक्षी शुक्ला एवं मां

माचना उत्सव समिति अध्यक्ष कमल परसाई, अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया और नशा मुक्ति के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया गया। साथ ही स्वच्छता अभियान के तहत शपथ भी ली गई कि अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर पार्षद एवं मंडल अध्यक्ष नीतू गुप्ता, पार्षद कमलेश प्रजापति, अरुण तिवारी, ओमप्रकाश गुप्ता, अनिल जैन, मनोज शुक्ला हिन्दुस्तानी और दिनेश छोटु राठौर सहित नगर के जनप्रतिनिधिगण और नगरवासी उपस्थित रहे।

एम्स भोपाल में 'सिकल साथी' पुस्तिका के विमोचन के साथ विश्व सिकल सेल दिवस मनाया गया

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में बाल रोग विभाग ने पैथोलॉजी एवं लैब मेडिसिन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हेमेटोलॉजी, आर्थोपेडिक्स और आयुष विभागों के सहयोग से 19 जून 2025 को विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस मनाया। इस वर्ष की थीम टेल इट लाउड के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सिकल सेल रोग के मरीजों के लिए समग्र और बहु-विषयक देखभाल सुनिश्चित करने हेतु सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. (डॉ.) अजय सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रो. (डॉ.) रजनीश जोशी (डीन अकादमिक्स) और डॉ. मयंक दीक्षित (प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक) शामिल रहे। अन्य विशिष्ट प्रतिभागियों में प्रो. डॉ. वैशाली वाल्के (पैथोलॉजी), प्रो. भावना ढींगरा (बाल रोग), डॉ. गौरव ढींगरा (मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हेमेटोलॉजी), डॉ. रोशन चंचलानी (पीडियाट्रिक सर्जरी) और डॉ. दानिश जावेद (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, आयुष) सहित विभागों के फैकल्टी सदस्य, जूनियर और सीनियर रेजिडेंट्स, प्रोजेक्ट स्टाफ, तथा सिकल सेल रोग से प्रभावित मरीज और उनके परिजन उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। अपने उद्घाटन भाषण में प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा- सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम के लिए स्कूली बच्चों में जागरूकता, आनुवंशिक जानकारी और विवाह पूर्व परामर्श अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। स्कूल शिक्षकों की भागीदारी से किशोरों को जागरूक किया जा सकता है। एम्स भोपाल समाज के हित में इस दिशा में सभी बहु-विभागीय प्रयासों को पूर्ण समर्थन देगा। डॉ. मयंक दीक्षित ने सहानुभूति आधारित चिकित्सा सेवाओं की महत्ता पर जोर देते हुए रोगियों के हित में निरंतर प्रयासों के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रो. भावना ढींगरा ने एम्स भोपाल को हीमोग्लोबिनोपैथी की देखभाल केउत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में टीम के योगदान की सराहना की। प्रो. वैशाली वाल्के ने सिकल सेल की पहचान और वाहक स्थिति के लिए एम्स में उपलब्ध जाँचों जैसे सीबीसी, पेरिफेरल स्मीयर, रेटिकुलोसाइट काउंट, सिकलिंग टेस्ट, एचपीएलसी और आणविक परीक्षण की विस्तृत जानकारी दी।

डॉ. योगेन्द्र सिंह यादव ने बच्चों में सिकल सेल रोग के लिए अपनाई गई समग्र उपचार पद्धतियों को साझा किया। डॉ. गौरव ढींगरा ने हाइड्रॉक्सीयूरिया के लाभ और बोन मैरो ट्रांसप्लांट के भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. दानिश जावेद ने रोगियों की मानसिक एवं शारीरिक भलाई के लिए आयुर्वेद की समग्र भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर 'सिकल साथी' नामक पुस्तिका का विमोचन किया गया, जिसमें मरीजों और परिजनों के लिए देखभाल संबंधी उपयोगी जानकारी दी गई है। पीजी क्विज, पोस्टर और चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

आपदा से बचाव संबंधी जन चेतना शिविर का आयोजन ग्राम अमाछार में हुआ

विदिशा (निप्र)। ग्राम पंचायत अमाछार में आपदा से बचाव संबंधी जन चेतना शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्रभारी आरक्षक श्री रोहित भारती के नेतृत्व में एसडीईआरएफ टीम द्वारा बाढ से पूर्व तैयारी, आग की घटना में बचाव, घरेलू उपकरणों से बचाव, राफ्ट बनाना, कंबल, चादर से स्ट्रेचर बनाना, सीपीआर देना, घायलों को प्राथमिक उपचार देना, सांप के काटने पर त्वरित कार्यवाही और सावधानियां तथा ड्राई रेस्क्यू , वज्रपात के दौरान की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी दी गई। आम जनों को सचेत, मोबाइल ऐप की भी जानकारी दी गई एवं 12 लोगों को सचेत एप डाउनलोड करवाया गया। कार्यक्रम के दौरान सरपंच, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, टीचर, सहायिका एवं आशा, सिंचाई विभाग के अधिकारी, सचिव, सहायक सचिव, एमपीएस, कोटवार एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे। बारिश के दौरान जलमग्न स्थानों को पार न करने की शपथ भी दिलाई गई। गांव के सरपंच से अनुरोध किया गया कि बाढ़ के दौरान रपटे और पुलिया को बैरीकेट से कवर किया जाए , ताकि किसी भी प्रकार की कोई जनहानि ना होने पाए।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने थाना देहात बासौदा में दर्ज प्रकरण के फरार अज्ञात आरोपी की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए नगद इनाम देने की घोषणा की है। थाना देहात बासौदा में दर्ज अपराध क्रमांक 35/2024 के फरार अज्ञात आरोपी की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए पांच हजार रूपए का नगद इनाम घोषित किया गया है सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

न्यायालयीन प्रकरणो का जायजा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने विभागवार न्यायालयो में लंबित प्रकरणो की अद्यतन स्थितियों का जायजा लेते हुए निर्देश दिए है कि जब तक पोर्टल पर यह जानकारी प्रदर्शित होने लगे कि विभाग द्वारा जबाव दाखिल किया जा चुका है तब तक मौखिक स्वीकृतियां मान्य नहीं होगी। उन्होंने सभी विभागो के अधिकारियों को खासकर न्यायालयीन प्रकरणो में समय सीमा में जबाव दाखिल कराना सुनिश्चित करें। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित उक्त बैठक में बतलाया गया कि उच्च न्यायालय ग्वालियर में जिले से संबंधित विभिन्न विभागो के लंबित प्रकरणो की विभागवार समीक्षा की गई और अद्यतन स्थिति का जायजा लेते हुए कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी विभागो के अधिकारियों को सचेत किया है कि न्यायालयीन प्रकरणो में किसी भी प्रकार ढीला रवैया ना अपनाएं। कोई भी प्रकरण न्यायालयीन अवमानना स्थिति में ना पहुंचे का विशेष ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सपने को साकार करने का प्रयास

विदिशा (निप्र)। जन अभियान परिषद द्वारा चयनित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति त्योंदा द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सपने को साकार करने का प्रयास किया गया है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत ग्राम त्योंदा में 551 पेड़ गुफा के रास्ते में एवं जंगल में लगाए गए। जिसमें शगुन के पेड़ जामुन, पीपल, महुआ, चिरौल, नीम, इमली आदि तमाम प्रकार के पौधे रोपित किये गये हैं। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति त्योंदा एवं ग्राम के लोगों के द्वारा मिलकर 10 दिनों में पौधे लगाए गए है। हिम्मत सिंह कुशवाहा अनुराग रिछारिया संतोष कुशवाहा, मोहन शैलेश जैन,सक्षम विश्वकर्मा, अनुज, आदित्य, जगदीश कुशवाहा सतीश दुबे, राजेश मिश्रा ग्राम के तमाम लोगों ने पौधारोपण में अपनी सहभागिता निभाई। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मिशन को पूरा करने में सहयोग किया है। मध्य प्रदेश शासन की ओर समर्पित 551 पेड़ लगाए गए जन अभियान परिषद की समिति सदस्यों द्वारा पौधौ की देखरेख व सुरक्षित रखने का संकल्प लिया गया है और यह संदेश भी दिया गया है कि हमें अपने जीवन के लिए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और पर्यावरण को संरक्षित करना चाहिए। इन सब संकल्पों के साथ ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति व ग्रामीणजनों ने उत्साह पूर्वक पौधा रोपण किया।

वक्रोक्ति

मुकेश नेमा

लेखक मध्य प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

छोटे बच्चन आखिर लापता होना ही क्यों चाहते हैं

कल परसों में कभी अभिषेक बच्चन ने कहा कि वे लापता होना चाहते हैं। इसलिए होना चाहते हैं ताकि खुद को तलाश कर सकें। चूँकि वो अमिताभ बच्चन के लडके हैं इसलिए ये सनसनीख़ेज़ सूचना थी। एकदम ब्रेकिंग न्यूज। इसे सुनकर देश भर में सन्नाटा पसर गया। दुनिया भर के कामकाजी लोगों ने अपने अपने काम छोड़े। अधलेटे हुए। अपनी अपनी ठुड्डियों पर हाथ धरे और सोच मे पड़े। इस मुद्रा में इसलिए आए लोग क्योंकि सोचने के लिए ये मुद्रा सबसे अधिक लोकप्रिय हमारे देश में। और ऐसा करता हुआ आदमी आमतौर पर विचारक मान लिया जाता है। आपकी जानकारी के लिए मैं भी सोचने वालो में शामिल हूँ। सोच रहा हूँ कि अभिषेक बच्चन ने जो कहा वो कितनी बड़ी बात है और उसे खींचतान कर और कितना बड़ा बनाया जा सकता है।

चलिए शुरू से शुरू करें। छोटे बच्चन ने ऐसा क्यों कहा। लापता हो जाना वैसे तो महत्वपूर्ण बात नही मानी जाती हमारे यहां। हर साल लाखों की तादाद मे लड़कियाँ बच्चे लापता होते रहते हैं हमारे देश मे। वो कहाँ गए। क्यों गए। कैसे गए। अब कहाँ हैं? कभी वापस मिलेंगे या नही ऐसी मामूली बाते हम कभी नहीं सोचते। इसलिए नहीं सोचते क्योंकि हमें अभिषेक बच्चन की फ़िक्र है। वो छोटे बच्चन है फिर भी बड़े है। इसलिए भी बड़े है क्योंकि वो हिंदुस्तान के सबसे अच्छी क़िस्मत वाले बंदों में शामिल हैं और उनसे ईर्ष्या करने के बावजूद मैं अगली बार अभिषेक बच्चन होकर पैदा होना चाहता हूँ।

मेरी तो यही सलाह उन्हें कि लापता होने की मशक्क़त करना फ़िज़ूल। आपको किसी से पूछने की जरूरत नही कि मेरा बाप कौन है? आपकी अम्मा लगातार सांसद बनी हुई है। बीबी मिस वर्ल्ड है। आपको लापता होने बाबत सोचने की जरूरत क्या है? चमचमाते लोगों की संगत मे रहते लोग दुनिया की नजर मे लापता ही होते है।

और फिर आपने लापता होने की सोची तो सोची। आपने खुद को तलाश करने जैसे मुश्किल काम की भी सोची। खुद को तलाशना आसान नही। आसान होता ये तो हमारे पास और भी बुद्ध और महावीर होते। देश स्वर्ग हो जाता अब तक। स्वर्ग न हो पाता तो कम से कम अमेरिका ज़रूर हो जाता। हम अमेरिका नहीं इसलिए छोटे छोटे टॉरगेट चुनते है। यदा कदा पाकिस्तान से उलझ लेते है। लड़ भिड़ लेते हैं थोड़ा सा। दोनो के मन का गुबार निकल जाता है। दोनों देशों में राष्ट्रवाद की हवा चलती है और दोनो देशों के निवासी अपने सामने मौजूद दूसरे बड़े मुद्दे भूल कर फूल से हलके हो जाते है।

सो छोटे बच्चन जी यही कहूँगा आपसे। मन छोटा करने की जरूरत है नहीं। हर घर मे छोटे मोटे झगड़े होते रहते है। ऐसा कौन सा घर जिसमें सास बहू या मियाँ बीबी मे काँव काँव न होती हो। झगड़ा होना क़तई बुरी बात नही। बुरी बात मन मे गाँठ लगा लेना है और उससे भी गलत बात ट्वीटर पर लापता होने और खुद को तलाशने की मंशा जताना है। आप भारी भाग्यशाली। भाग्यशाली आदमियों को न हाथ पाँव हिलाने की जरूरत, न ऐसी गरिष्ठ बातें सोचने की। सो प्लीज़ ऐसा मत सोचिए। सोचने का काम हम पर छोड़ दीजिए। इस देश को तपाने के लिए हम पहले ही काफी है।

आपातकाल एक काला धब्बा है : आशीष चौहान

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के इंडिजीनियस आयाम द्वारा एलएनसीटी महाविद्यालय, भोपाल में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक संगोष्ठी इमरजेंसी-50 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत के संवैधानिक इतिहास की उस घटनाओं की गूंज सुनाई दी, जिसने देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को चुनौती दी थी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक अशोक पांडेय, अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, इंडिजीनियस के राष्ट्रीय संयोजक आदित्य शर्मा, तथा एलएनसीटी ग्रुप के सचिव अनुपम चौकसे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आपातकाल के समय की वास्तविक घटनाओं, संविधान में हुए संशोधनों तथा उस कालखंड में हुए जन आंदोलनों की सच्चाई से अवगत कराना रहा। विद्यार्थियों ने गहराई से समझा कि किस प्रकार 25 जून 1975 को घोषित आपातकाल ने भारत के संविधान, प्रेस की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों को प्रभावित किया।

आशीष चौहान ने कहा कि 'आपातकाल एक काला धब्बा था' - अर्थात एक ऐसा प्रयोग, जिसने संविधान की आत्मा को झकझोर दिया। उन्होंने मीसा जैसे काले कानूनों का उल्लेख किया और बताया कि किस प्रकार प्रेस, अभिव्यक्ति और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया। आदित्य शर्मा ने कहा कि आज जो लोग बार-बार संविधान की दुहाई देते हैं, उन्हें यह भी आत्ममंथन करना चाहिए कि उन्होंने स्वयं संविधान के साथ क्या किया है। जिनकी राजनीतिक परंपरा में लोकतंत्र का कोई स्थान नहीं है।

स्वच्छ भारत मिशन में करोड़ों का घोटाला करने वाले पकड़ाए

बैतूल। स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर बैतूल जिले के चिचोली और भीमपुर ब्लॉक में करोड़ों रुपए का घोटाला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में हरदू गांव की जनपद सदस्य सपना इवने और जनपद सीईओ के पूर्व ड्राइवर बीरबल रावत को छिंदवाड़ा जिले के परासिया से गिरफ्तार किया है। सपना इवने पर 44.41 लाख और बीरबल रावत पर 1.05 करोड़ रुपए के गबन का आरोप है। घोटाले में पुलिस ने कुल 10 लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें मुख्य आरोपी राजेंद्र सिंह परिहार है, जो उस समय चिचोली में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर था। घोटाला उजागर होने के बाद उसे तत्काल बर्खास्त कर दिया गया था, लेकिन वह अभी भी फरार है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए भोपाल, इंदौर, बालाघाट और महाराष्ट्र के गोंदिया में दबिश दी है। साथ ही उस पर 10 हजार और अन्य चार आरोपियों पर 5-5 हजार का इनाम घोषित किया गया है। जांच टीम ने सभी आरोपियों के बैंक खाते सील कर दिए हैं। साथ ही उनकी चल-अचल संपत्तियों की कुर्की की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। पुलिस साइबर सेल के जरिए पूरे नेटवर्क पर तकनीकी नजर बनाए हुए हैं।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

नशा विमुक्ति जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में सोमवार को नालसा (नशा पीडितो को विधिक सेवाऐं एवं नशा उन्मूलन के लिये विधिक सेवाऐं) योजना अतंर्गत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन एमजीएम हायर सेकेण्डरी स्कूल विदिशा मे किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर जिला न्यायाधीश श्री राजेश शर्मा द्वारा बच्चो को नशे से होने वाले दुषपरिणामों के बारे में जानकारी दी एवं बताया कि, आज के समय में युवा पीढी पर नशे का प्रभाव बहुत गंभीर हो रहा है। नशे की लत किसी भी व्यक्ति को बर्बाद कर सकती है और खासकर जब इसका असर युवा पीढी पर पड़ता है और यह बहुत खतरनाक हो सकता है। नशे की लत में पड़ने से युवा पीढी का भविष्य उजड सकता है। नशे से दूर रहने के लिये बच्चो को जागरूक किया।

विधिक सहायता अधिकारी श्रीमति दिव्या भलावी द्वारा नालसा मोबाईल ऐप व 15100 टोल फ्री नम्बर एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाआ के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य श्री विभास रंजन पाल ने बताया की आज कल के बच्चे एलर्जी की दवाओं का सेवन कर उसका भी नशा कर रहे हैं और नशा मुक्ति शिविर का आयोजन कराना आज विघालय के बच्चों के लिए आवश्यक हो गये हैं। साथ ही उन्होंने शिविर के आयोजन के लिये जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का आभार व्यक्त किया।

एसडीएम ने नाला सफाई अभियान का जायजा लिया

विदिशा (निप्र)। विदिशा नगरपालिका क्षेत्र में स्थित नालों की सफाई का कार्य अभियान के रूप में क्रियान्वित किया जा रहा है। विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा और नपा अधिकारी श्री दुर्गेश सिंह ने संयुक्त रूप से भ्रमण कर जायजा लिया है। नाला सफाई और पूर्व वर्ष के जल भराव के क्षेत्र का निरीक्षण किया गया और सुधार कार्यों के परिप्रेक्ष्य में किए जा रहे कार्य को देखा है।

हरदा शहर में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें, पार्क सौन्दर्यीकरण के कार्य कराएं

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी हरदा को निर्देश दिये कि हरदा शहर में साफ-सफाई व्यवस्था सुधारें तथा शहर में सफाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होने कहा कि शहर के पार्कों में सौन्दर्यीकरण के कार्य कराएं। इसके लिये बैंकों से सीएसआर के तहत राशि प्राप्त कर कार्य कराया जा सकता है। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय, श्री संजीव नागू व सुश्री रजनी वर्मा के साथ-साथ एसडीएम श्री महेश बड़ोले, श्री अशोक डेहरिया, श्री कुमार शानु देवड़िया भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री जैन ने सिराली, खिरकिया, टिमरनी व हरदा के सीएमओ को निर्देश दिये कि अपने-अपने नगरीय क्षेत्र में सर्वाधिक कचरे वाले स्थान चिन्हित करें और उनकी सफाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होने शहरी क्षेत्र के नाले व नालियों की वर्षा पूर्व सफाई की कार्यवाही कराने के निर्देश भी चारों सीएमओ को दिये। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि शहरी क्षेत्रों को पॉलिथीन फ्री क्षेत्र के रूप में विकसित करें तथा गंदगी फैलाने वालों पर अर्थदण्ड लगाने की कार्यवाही भी की जाए। ग्रामीण पहुँच मार्गों की स्थिति सुधारें, वर्षा में कोई भी गांव पहुँचविहीन न रहे। कलेक्टर श्री जैन ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण ढंग से निराकरण के निर्देश सभी अधिकारियों को दिये और सभी विभागों में लंबित शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की।

कर्मचारियों के सभी लंबित भुगतान, क्रमोन्नति, पदोन्नति समय पर सुनिश्चित हों-कलेक्टर श्री जैन

हरदा (निप्र)। जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक सोमवार शाम को कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि इस तरह की बैठक हर त्रैमास में नियमित रूप से आयोजित होती रहे, यह सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होने सभी विभागों के जिला अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभागीय परामर्शदात्री समिति तथा खण्ड स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक अगले पन्द्रह दिवस में आयोजित कर अपने-अपने विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि अधिकारी कर्मचारियों की अधिकांश समस्याएं इन खण्ड स्तरीय तथा विभागीय जिला स्तरीय बैठक में ही हल हो सकती है। इन बैठकों का कार्यवाही विवरण कलेक्टर कार्यालय भिजवाएं। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय सहित सभी मान्यता प्राप्त अधिकारी कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। कलेक्टर श्री जैन ने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि कर्मचारियों के समयमान वेतन, क्रमोन्नति, पदोन्नति तथा टीए, डीए का समय पर भुगतान किया जाए। कलेक्टर श्री जैन ने बैठक में कहा कि सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारियों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाना पड़ें। कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन भुगतान आदेश दिये जायें। इसके लिये सभी अधिकारी प्रयास करें और इसे अपना दायित्व समझें। उन्होने कहा कि सभी जिला अधिकारी सुनिश्चित करें कि अधीनस्थ कर्मचारियों की डुप्लिकेट सेवा पुस्तिका, मूल सेवा पुस्तिका तथा जीपीएफ पासबुक हर माह अपडेट की जाए और उसे संबंधित कर्मचारी को अवलोकन भी कराया जाए। उन्होने निर्देश दिये कि अधिकारी कर्मचारियों के लंबित एरियर्स एवं अन्य भुगतान के प्रकरणों का निराकरण किया जाये।

मुख्यमंत्री जी की लंबित घोषणाओं की समीक्षा

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में मुख्यमंत्री जी के प्रवास दौरान की गई घोषणाओं पर संबंधित विभागो के द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई हैं।कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मुख्यमंत्री जी की लंबित घोषणाओं की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित उक्त समीक्षात्मक बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया के अलावा संबंधित विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में अब तक पूर्ण कराई गई घोषणाओं के परिपालन में संबंधित विभागो के द्वारा की गई सम्पूर्ण कार्यवाही की जानकारियां सांझा की गई। इसके अलावा धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, परिवहन, खेल एवं युवा कल्याण, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, नगरीय विकास एवं आवास, लोक निर्माण, पंचायत और ग्रामीण विकास, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, उच्च शिक्षा और उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित लंबित घोषणा के परिपालन में विभाग के माध्यम से अब तक की गई कार्यवाहियों की अद्यतन जानकारियां संबंधित विभाग के अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिले में अनेक जगह मेलो का आयोजन किया जाता है जो अतिप्राचीन है जिसमें उदयपुर और मानोरा मेला का जिक्र करते हुए संस्कृति विभाग से आयोजन हेतु बजट की मांग प्रेषित करने के निर्देश दिए है। वहीं जिले के दूरस्थ लटेरी तहसील में निजी वाहनो के साथ-साथ शासकीय बसों के संचालन हेतु किए जाने वाले प्रबंधो के संदर्भ में जिला परिवहन अधिकारी को आवश्यक कार्यवाहियां सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है। वहीं लटेरी तहसील के आनंदपुर में महाविद्यालय खोले जाने हेतु उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा घोषणा के परिपालन में अद्यतन जानकारियां प्रस्तुत की गई है। विदिशा नगरपालिका को नगर निगम के मापदण्डो अनुसार की जाने वाली तैयारियों की भी जानकारियां सांझा की गई है।

मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड भोपाल का 23वॉं स्थापना दिवस मनाया

बैतूल (निप्र)। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल वृत्त कार्यालय में मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड का 23वां स्थापना दिवस सोमवार को मनाया गया। इस दौरान महाप्रबंधक श्री अनूप सक्सेना, श्री भूपेन्द्र सिंग बघेल, श्री हितेश वशिष्ठ उपमहाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों तथा उपभोक्ताओं द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ जिले के उच्च दाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं का सम्मान, पौधरोपण तथा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

महाप्रबंधक श्री अनूप सक्सेना द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सच्ची निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान श्री सक्सेना द्वारा माननीय प्रबंध संचालक भोपाल के संदेश का भी वाचन किया गया एवं उपस्थित उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को कंपनी द्वारा दी जा रही सुविधाओं से तथा विगत 23 वर्षों से कंपनी द्वारा उपभोक्ता हित में किये गये कार्यों से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर उच्च दाब उपभोक्ता डब्लू सी.एल. के प्रतिनिधि श्री लक्ष्मीकांत महापात्रा महाप्रबंधक एवं श्री मुकेश खंडेलवाल ने कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को दी जा रही सुविधाओं की सराहना की। महाप्रबंधक एवं अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उपभोक्ताओं द्वारा कार्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया। इसके अलावा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 25 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम के अंत में श्री हितेश वशिष्ठ द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर उपस्थित उपभोक्ताओं एवं अधिकारियों, कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया गया।

एसडीएम ने पैक्स सोसाइटी का औचक निरीक्षण किया

विदिशा (निप्र)। बासौदा एसडीएम श्री विजय राय ने आज, पैक्स सोसाइटी घटेरा का औचक भ्रमण किया। यहां उन्होंने समिति के कार्यों की पंजियों का जायजा लिया। अवगत कराया गया कि समिति में 750 किसान पंजीकृत हैं। पिछले खरीफ सीजन में लगभग 390 कृषकों द्वारा 150 मेट्रिक टन खाद का उठाव किया गया था। वर्तमान में लगभग 200 कृषकों के द्वारा में 110 मेट्रिक टन खाद का उठाव हो चुका है। वर्तमान स्थिति अनुसार 60 मेट्रिक टन खाद की मांग है, जिसमें मुख्यतः डीएपी की मांग कृषकों द्वारा की जा रही है। समिति पर वर्तमान में केवल 27 टन एनपीके उपलब्ध है।

मत्स्य पालन से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता किसान परिवार

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना बनी परिवर्तन का साधन

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के विकासखंड पिपरिया के ग्राम धनश्री की श्रीमती सोमकला पटेल एवं श्री जोगेन्द्र पटेल ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत उन्हें अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने अपने खेत में नवीन तालाब का निर्माण कर मत्स्य पालन का कार्य आरंभ किया। अनुदान प्राप्त कर उन्होंने फीड मिल, बायोफ्लॉक टैंक तथा तालाब की स्थापना एवं संचालन के लिए आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण प्राप्त किया। विभाग द्वारा निरंतर सहायता प्रदान की गई जिससे उनका उत्पादन 50 से 60 टन तक पहुँच गया। इस उत्पादन से उन्हें 20 से 25 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। श्रीमती पटेल बताती हैं कि इस योजना से न केवल मत्स्य उत्पादन में वृद्धि हुई है, बल्कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में भी अभूतपूर्व सुधार आया है।

उन्हें पूर्व की तुलना में अधिक आमदनी हो रही है, जिससे परिवार की आजीविका मजबूत हुई है। आस-पास के इच्छुक मत्स्य कृषकों को भी प्रशिक्षण एवं आवश्यक संसाधन विभाग द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने पं. माधवराव सप्रे की जयंती पर किया नमन

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की माटी के गौरव, हिन्दी पत्रकारिता के पुरोधा, स्वतंत्रता सेनानी पं. माधवराव सप्रे जी की जयंती पर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सप्रे जी ने मासिक पत्रिका 'छत्तीसगढ़ मित्र' के प्रकाशन के साथ हिंद केसरी और कर्मवीर के लिए समर्पण से पत्रकारिता जगत की अमूल्य सेवा की। उनकी कृति 'एक टोकरी भर मिट्टी' हिंदी की पहली कहानी है, इसने साहित्य जगत को नई दिशा दी।पं. माधवराव सप्रे जी का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

एमपी में कांग्रेस जहां कमजोर वहां चलेगा विदिशा मॉडल

650 पंचायतों और वार्डों में बनी समितियां संभालेंगी वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन और इलेक्शन मैनेजमेंट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में सिर्फ 15 महीनों को छोड़कर पिछले 20 सालों से कांग्रेस सत्ता से बाहर रही है। पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। 2020 में हुए दलबदल के बाद कई क्षेत्रों में कांग्रेस का संगठन बेहद नाजुक स्थिति में हैं। अब कांग्रेस अपने संगठन को मजबूत करने के लिए विदिशा मॉडल पर काम करेगी।

क्या है विदिशा मॉडल : पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने संगठनात्मक रूप से सबसे कमजोर जिले विदिशा में पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया। इस पायलट प्रोजेक्ट के लिए 70 एक्सपर्ट्स को चुनकर विदिशा जिले की पांचों विधानसभा सीटों के हर ग्राम पंचायत और वार्ड में भेजा गया।

एक्सपर्ट्स ने पंचायत और वार्ड में सबसे पहले कांग्रेस की कमजोरी की वजहों को लेकर रिपोर्ट तैयार की। इसके बाद पंचायत और वार्ड समिति के लिए वैचारिक रूप से मजबूत कार्यकर्ताओं के नाम छांटे। बातचीत के बाद पंचायत और वार्ड समिति का गठन किया।

इन समितियों के सदस्य अब गांव और वार्ड में कांग्रेस के लिए काम करेंगे। फर्जी वोटर्स की पहचान से लेकर वोटरलिस्ट वेरिफिकेशन और चुनाव की तैयारी में ये समिति काम करेगी। विदिशा जिले में समितियों के गठन के बाद अब इस मॉडल पर प्रदेश के दूसरे जिलों में काम किया जाएगा।

समितियों का डेटा ऑनलाइन हुआ दर्ज : कांग्रेस ने विदिशा जिले की पंचायत और वार्ड समितियों का गठन करने के बाद ऑनलाइन डेटा अपलोड भी किया है। इसमें समिति के अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों के नाम, मोबाइल नंबर सहित तमाम जानकारी ऑनलाइन दर्ज की गई है। अब इन समितियों के वॉट्सऐप ग्रुप बनाकर आगे संगठन के काम को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित किया जाएगा।

वेरिफिकेशन का काम 30 जून तक चलेगा : विदिशा जिले की पंचायतों और वार्डों में बनाई गई समितियों के वेरिफिकेशन का काम 30 जून तक चलेगा। इसके लिए पीसीसी में एक कॉल सेंटर बनाया जा रहा है। जहां से सभी समितियों के अध्यक्ष सहित तमाम सदस्यों से टेलीफोनिक बातचीत कर सत्यापन किया जाएगा।

टिफिन मीटिंग करेंगे जीतू पटवारी : विदिशा जिले में गठित हुई पंचायत और वार्ड समिति के अध्यक्षों के साथ पीसीसी चीफ जीतू पटवारी जुलाई के महीने में टिफिन मीटिंग करेंगे। विधानसभा वार होने वाली टिफिन मीटिंग में सभी कार्यकर्ता अपने-अपने घर से भोजन बनवाकर टिफिन लेकर आएंगे और एक जगह पीसीसी चीफ सभी अध्यक्षों के साथ बैठकर चर्चा करेंगे और भोजन करेंगे।

कार डिवाइडर से टकराई, मां-बेटे समेत 4 की मौत, 3 घायल

अयोध्या से गुजरात जा रहे थे ; राजगढ़ में ड्राइवर को झपकी आई

सारंगपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के पचोर में एक्सयूवी 500 कार हाईवे पर डिवाइडर से टकरा गई। कार सवार दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोगों ने शाजापुर जिला अस्पताल में दम तोड़ा। तीन लोग घायल हैं। ये सभी मूलतः यूपी के गोंडा जिले के रहने वाले हैं और सूरत में काम करते हैं।

जानकारी के अनुसार, कार सवार सभी लोग अयोध्या से सूरत जा रहे थे। राजगढ़ में ड्राइवर को झपकी आ गई, जिससे हादसा हो गया। अहमदाबाद जा रहे एक एम्बुलेंस चालक और ट्रक ड्राइवरों ने मिलकर कार का दरवाजा तोड़ा। उन्होंने शवों और घायलों को बाहर निकाला। पचोर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई। घायलों को पचोर एम्बुलेंस से पचोर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां से उन्हें शाजापुर जिला अस्पताल भेज दिया गया।

अयोध्या दर्शन कर लौट रहा था परिवार–घायलों के परिजन आयुष दुबे ने बताया, हमने बुधवार को अयोध्या दर्शन किए। शाम को यूपी के गोंडा जिले के दुबेपुरवा भवानीपुर से दो कारों में सूरत के लिए निकले थे। रास्ते में हम सभी ने ढाबे पर चाय पी। इसके एक घंटे बाद ही एक कार का एक्सीडेंट हो गया।

अहमदाबाद जा रहे एम्बुलेंस चालक यग्नेश भाई रावल ने बताया, हाईवे पर कार से धुआं उठता देखा। इसके बाद ट्रक चालकों की मदद से कार से सभी को बाहर निकाला।

पीएम जनमन अभियान : छिंदवाड़ा में 1067 भारिया परिवारों को मिले पक्के आवास

जनजाति वर्ग का समग्र उत्थान प्रदेश सरकार का संकल्प : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सामग्री की सामूहिक खरीद पर भी की एक करोड़ की बचत

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत छिंदवाड़ा के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में निवासरत 1067 भारिया जनजाति के परिवारों को पक्के आवास आवंटित किये गये। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजाति संवर्ग के उत्थान के लिये प्रतिबद्ध प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की इस योजना को मध्यप्रदेश में शत प्रतिशत मूर्तरूप दिया जायेगा। जिला प्रशासन द्वारा आवास आवंटन के साथ ही सामूहिक खरीदी के नवाचार से एक करोड़ रूपये की बचत भी संभव हुई है।

प्रधानमंत्री जनमन अभियान के तहत छिन्दवाड़ा को कुल 5825 आवासों का लक्ष्य प्रदान किया गया था, जिसके अंतर्गत चौरई, हर्रई, तामिया, अमरवाड़ा, जुन्नारदेव एवं परासिया जनपद के दुर्गम क्षेत्रों में निवासरत भारिया हितग्राहियों को योजना का लाभ देना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। ग्रामों की दूर-दराज़ स्थिति (जिला मुख्यालय से 100-125 कि. मी.) के कारण स्थानीय भवन सामग्री विक्रेताओं द्वारा महंगे दाम और कम गुणवत्ता वाली सामग्री हितग्राहियों को दिये जाने से भी आवास निर्माण में बाधा थी। इससे कई परिवारों ने आवास निर्माण में रुचि ही लेना बंद कर दिया था। इस स्थिति पर नियंत्रण के लिए कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह ने अधिकारियों के साथ स्वयं मौका स्थल का भ्रमण कर

हितग्राहियों से चर्चा की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया। उन्होंने जनपद पंचायतों के अमले, सहायक यंत्री, और ग्राम पंचायतों के सरपंच आदि से सामूहिक चर्चा की जिसमें ग्रामवासियों और सामग्री विक्रेताओं के साथ संवाद स्थापित कर कम दर पर उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई।

नवाचार से हुई एक करोड़ की बचत : जिला प्रशासन द्वारा जनपद स्तर पर थोक विक्रेताओं से संपर्क कर भवन निर्माण सामग्री की दरों को भी पूर्व निर्धारित किया गया। सीमेंट, ईंट, गिट्टी, सरिया, सेंटरिंग आदि निर्माण सामग्री स्थानीय दरों से 2 से 55 रूपये तक सस्ती दरों पर हितग्राहियों के ग्रामों में ही थोक में पहुँचाई गई। इस नवाचार से न केवल परिवहन लागत बची, बल्कि समय पर सामग्री मिलने से अधिकांश हितग्राहियों ने 2 माह से भी कम समय में अपने पक्के आवास तैयार कर लिए। इस पहल से 1067 परिवारों को 99,21,443 रूपये की सीधी बचत हुई, यानी प्रति परिवार लगभग 9,298 रूपये की औसत बचत हुई। साथ ही 1052 आवासों का निर्माण भी पूर्ण कर लिया गया है और शेष 508 आवास शीघ्र पूर्ण होने की स्थिति में है।

बिचौलियों से मिली मुक्तिः नवाचार न केवल योजनांर्गत लक्ष्य प्राप्ति में सहायक बना, बल्कि इससे हितग्राहियों को ठगने वाले बिचौलियों से भी मुक्ति दिलाई गई। अब जिले के अन्य नवीन स्वीकृत आवासों में भी इसी मॉडल को अपनाने की योजना है।

पंप चालू करते समय बेल्ट में फंसा श्रमिक, मौत

परिजनों का आरोप- प्रबंधन ने छुपाई सूचना, एम्बुलेंस में ऑक्सीजन सिलेंडर था खाली

बालाघाट (नप्र)। बालाघाट के मॉयल उकवा में फर्स्ट सर्किल के सेकंड लेवल में पहली शिफ्ट के दौरान एक ठेका श्रमिक की हादसे में मौत हो गई। घटना गुरुवार सुबह 9 बजे की है। दरअसल, श्रमिक विनय खंडेश्वर (25) सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे की शिफ्ट में पंप कर्मी के रूप में काम कर रहा था। उसका काम सिर्फ पंप को चालू और बंद करना था। सुबह करीब 9 बजे पंप शुरू करते समय वह पंप के बेल्ट और पंखे की चपेट में आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

परिजन का आरोप- प्रबंधन ने नहीं दी मौत की खबर : मृतक के भाई विशाल खंडेश्वर ने बताया कि प्रबंधन ने हमें विनय की मौत की जानकारी नहीं दी। उसे पहले अस्पताल ले जाया गया। वहां से परिजनों को बाहर भेजकर स्ट्रेचर पर लादा और मॉयल की एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय पटले का कहना है कि एम्बुलेंस में लगा ऑक्सीजन सिलेंडर खाली था। मृतक के मुंह पर ऑक्सीजन मास्क सिर्फ दिखावे के लिए रखा गया था। यह सब श्रमिकों को आंदोलन से रोकने के लिए किया गया।

पिता बोले- दोषियों पर कार्रवाई हो, परिवार को मिले मुआवजा : पिता संजय खंडेश्वर ने बेटे की मौत को मॉयल प्रबंधन की लापरवाही बताया। उन्होंने बताया कि विनय मेरा बड़ा बेटा था। उसके दो मासूम बच्चे हैं। हम चाहते है कि मामले में दोषियों पर कार्रवाई हो और मृत बेटे के परिवार को मुआवजा दिया जाए।

राहुल गांधी के पोस्टर को दूध से नहलाया

- **कांग्रेसियों ने मनाया जन्मदिन**
- **खेल मंत्री बोले–दूध से अभिषेक चमचागिरी की पराकाष्ठा**

भोपाल(नप्र)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आज जन्मदिन है। भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अमित शर्मा ने समर्थकों के साथ राहुल गांधी का जन्मदिन मनाया। अमित शर्मा ने राहुल गांधी के कटआउट (पोस्टर) को दूध से नहलाया।

मंत्री सारंग बोले- ये चमचागिरी की पराकाष्ठा : राहुल गांधी के पोस्टर को दूध से नहलाने पर मप्र के खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा, कांग्रेस की नेहरू परिवार के प्रति चमचागिरी की मानसिकता पर आश्चर्य है। बस एक परिवार में पैदा होने पर महिमामंडन किया जा रहा है, यह शर्मनाक है। दूध से अभिषेक करना चमचागिरी की पराकाष्ठा है।

कांग्रेस ने हर समय दलित और आदिवासियों को नीचा दिखाने का काम किया है। बाबा साहेब अंबेडकर जब चुनाव लड़े तो नेहरू ने उन्हें हराने का षड्यंत्र किया। कांग्रेस में नेहरू परिवार ने हर समय अंबेडकर को नीचा दिखाने का काम किया।

ये सनातन परंपरा और किसानों की मेहनत को पैरों तले रौंद रहे : बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, कांग्रेस द्वारा दूध नहीं, किसान का सम्मान बहाया जा रहा है। जिस राहुल गांधी ने महाकुंभ में गंगा स्नान करने से परहेज किया, उनके लिए कांग्रेसियों द्वारा दुग्धाभिषेक करना न सिर्फ सनातन परंपरा का अपमान है, बल्कि देश के दुग्ध उत्पादक किसानों की मेहनत को भी पैरों तले रौंदना है।

किसानों का खून बहाने वाली कांग्रेस ने भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर राहुल गांधी का पोस्टर रखकर जातिगत जनगणना की खुशी में दूध बहाया। जो कांग्रेसी गंगा में डुबकी लगाने से डरते हैं, वो किसानों के पसीने से नहाने में गौरव समझते हैं। आशीष अग्रवाल ने आगे कहा, राहुल गांधी जी ये दुग्ध-स्नान असल में कृषक तिरस्कार है। जिस किसान का दूध बेचकर घर चलता है, उसकी रोजी-रोटी को यूं सड़क पर बहा देना, क्या यही है कांग्रेस की संवेदनशीलता और मोहब्बत की राजनीति? राहुल गांधी के जन्मदिन पर दिखावे का नाटक नहीं, जवाबदारी की अपेक्षा थी जो कांग्रेसियों से हो न सका।

सिकल सेल उन्मूलन, सबके विश्वास, साथ और प्रयास से होगा : राज्यपाल पटेल

विवाह के लिये कुंडली के साथ वर–वधु का सिकल सेल जेनेटिक कार्ड भी मिलाएं : मुख्यमंत्री

विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी में हुआ राज्य स्तरीय सम्मेलन

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल के संपूर्ण उन्मूलन के लिए हम सबकी सक्रिय सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। सबके विश्वास, साथ और प्रयासों से ही रोग का उन्मूलन होगा। राज्यपाल श्री पटेल विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर बड़वानी में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर से वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का प्रदेश की जनता के नाम संदेश और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों पर आधारित अभिनंदन-पत्र का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा वाचन किया गया।

जनजातियों के कल्याण का स्वर्ण काल– राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जनजाति जीवन के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित और संवेदनशील व्यक्तित्व है। उनके नेतृत्व में भारत में जनजाति कल्याण का स्वर्ण युग चल रहा है। सिकल सेल उन्मूलन मिशन के तहत प्रदेश सरकार सराहनीय कार्य कर रही है। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों के लिए राज्य सरकार की पूरी टीम को बधाई दी।

सिकल सेल के उन्मूलन के लिए दिए मंत्र– राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल उन्मूलन के लिए जागरूकता सर्वाधिक आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विवाह के पूर्व युवक-युवती अपने जेनेटिक कार्ड का मिलान ज़रूर करें। इसी प्रकार गर्भावस्था में माँ और बच्चे की सिकल सेल जाँच और जन्म के 72 घंटों में नवजात की जाँच किया जाना ज़रूरी है। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल से पीड़ित रोगी और वाहकों से भी अपील की है कि वे नियमित व्यायाम, पौष्टिक आहार और चिकित्सक की सलाह अनुसार दवाइयाँ लें। उन्होंने अभिभावकों से भी कहा कि सिकल सेल प्रभावित बच्चों के साथ आत्मीय व्यवहार करें। उन्हें सिकल सेल को समझने, लड़ने और हराने में संबल प्रदान करें।

प्रदेश में 1 करोड़ 6 लाख से नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग हुई पूरी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे समाज में शादी से पहले कुंडली मिलान की परंपरा है। अब समय आ गया है कि कुंडली के साथ हम वर-वधु का 'सिकल सेल जेनेटिक कार्ड' भी मिलाएं। इस बीमारी का पता जितनी जल्दी चल जाए इसे नियंत्रण में रखने और रोगी को स्वस्थ रखने की संभावना उतनी ही अधिक होती है। प्रदेश का जनजातीय समाज बड़ी संख्या में इस बीमारी से प्रभावित है। सिकल सेल हमारे लिए केवल एक स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। वर्ष 2047 तक सिकल सेल को जड़ से मिटाने का लक्ष्य लेकर प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 'राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047' प्रारंभ किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्क्रीनिंग, रोग प्रबंधन, परामर्श और जन-जागरूकता, इन चारों महत्वपूर्ण स्तरों पर प्रदेश में समन्वित रूप से कार्य किया जा रह है।

भारिया जनजाति की बेटी शांति बनी प्रदेश का गौरव

जिले में भारिया जनजाति की पहली छात्रा जिसने पाई नीट में सफलता

भोपाल(नप्र)। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के सुदुर जनजातीय अंचल से निकलकर जिले की एक बेटी ने नीट की परीक्षा उत्तीर्ण कर इतिहास रच दिया है। सीमित संसाधनों, कठिन परिस्थितियों और सामाजिक चुनौतियों को पीछे छोड़ते हुए कुमारी शांति पचलिया ने यह साबित कर दिया कि अगर इरादा मजबूत हो, सपने सिर्फ देखे नहीं, पूरे भी किए जा सकते हैं। विशेष पिछड़ी जनजाति भारिया से ताल्लुक रखने वाली छात्रा कु. शांति, छिंदवाड़ा जिले की पहली छात्रा बन गई हैं जिसने नीट की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। इस उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार, गाँव और समुदाय को गौरवान्वित किया है, बल्कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों विद्यार्थियों को एक नई प्रेरणा भी दी है।

शांति का जन्म 23 अप्रैल 2007 को विकासखण्ड हर्रई के ग्राम बालूसार में हुआ। उनके पिता श्री लिट्टी पचलिया कृषक हैं और माता श्रीमती लता पचलिया गृहिणी हैं। शांति ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई शासकीय विद्यालयों से की और वर्तमान में आदिवासी उत्कृष्ट छात्रावास हर्रई में निवास करती हैं। पढ़ाई के लिए उन्होंने रोजाना 4 से 5 घंटे तक कड़ी मेहनत की और नीट 2025 परीक्षा में सफल हुईं। आर्थिक और सामाजिक रूप से सीमित संसाधनों के बावजूद शांति का सपना था डॉक्टर बनकर अपने गाँव की सेवा करना। उनका कहना है कि मैं अपने गाँव को आगे बढ़ाना चाहती हूँ और सबकी मदद करना चाहती हूँ।

मेडिकल स्टूडेंट रेप केस- 10 पुलिस टीम अस्पताल पहुंची

देवास में अमलतास हॉस्पिटल का आरोपी डॉक्टर गिरफ्तार, स्टूडेंट्स की नारेबाजी-चक्काजाम

देवास (नप्र)। देवास के निजी मेडिकल कॉलेज में एक ही दिन में रेप और रेप की कोशिश के दो मामले सामने आए। इससे भड़के स्टूडेंट्स ने कॉलेज में जमकर हंगामा किया। देवास-उज्जैन रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस, प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन की समझाइश-आश्वासन के बाद मामला शांत हो सका।

मामला देवास के अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस का है। मंगलवार दोपहर को इस मेडिकल कॉलेज के डॉ. रूपम जैन ने हॉस्टल में 17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म किया। पीड़िता करीब डेढ़ महीने पहले माता-पिता के साथ डॉ. जैन से मिली थी। इसके बाद डॉक्टर ने मंगलवार को उसे चेकअप और काउंसलिंग के बहाने बुलाया था।

दूसरी वारदात मंगलवार रात की है। इसमें एक अज्ञात बदमाश मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में घुस आया। फिर एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा के कमरे में दाखिल हो गया। छात्रा के गले पर चाकू अड़ाकर दुष्कर्म की कोशिश की।

दोनों ही केस की जांच के लिए पुलिस की 10 टीमें बनाई गई हैं। गुरुवार दोपहर को 40 पुलिसकर्मी अस्पताल पहुंचे और सबूत जुटाए। पड़ताल में सामने आया कि हॉस्टल में जिस जगह पीछे के स्थान पर घटनाक्रम हुआ था, वहां पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे।

केस 1- चेकअप के बहाने बुलाकर रेप किया : 17 साल की पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले एक आयोजन में डॉ. रूपम जैन से मुलाकात हुई थी। डॉ. रूपम ने बताया था कि वह अमलतास हॉस्पिटल देवास में काम करते हैं। उनसे मेरी हेल्थ चेकअप और काउंसलिंग के संबंध में बात हुई थी। इसके बाद जैन से इलाज को लेकर फोन पर बात होती रहती थी। 17 जून को डॉक्टर ने कॉल कर अमलतास हॉस्पिटल बुलाया था। सुबह करीब 11.30 बजे हॉस्पिटल पहुंची। डॉक्टर केबिन में थे। मैं गई तो उन्होंने मुझे चॉकलेट दी। चेकअप के बहाने गलत काम किया। घर आकर मैंने परिवार को पूरी बात बताई। फिर हम थाने गए।

मंगलवार रात को डॉ. जैन को गिरफ्तार कर लिया गया। डॉ. रूपम जैन ने दो साल पहले भी आरडी गार्डी अस्पताल में ऐसी हरकत की थी। तब पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया था।

केस 2- गर्ल्स हॉस्टल में डक्ट के रास्ते घुसा बदमाश : दूसरे मामले में मंगलवार रात एक बदमाश एमबीबीएस छात्रा के कमरे में डक्ट के रास्ते घुसा। वह सो रही छात्रा के ऊपर

बैठ गया और गले पर चाकू अड़ा? दिया। छात्रा के मुताबिक, बदमाश 10 मिनट तक गलत हरकत करने की कोशिश करता रहा।

युवती ने सूझबूझ दिखाते हुए आरोपी से पीने का पानी मांगा। जैसे ही बदमाश उससे अलग हुआ, छात्रा भागी और बाहर से दरवाजा लगा दिया। उसने शोर मचाया तो हॉस्टल में मौजूद अन्य लोग उठकर आए, लेकिन तब तक बदमाश खिड़की से बाहर भाग गया था। पुलिस उसे पकड़ने के लिए अस्पताल परिसर में लगे 320 सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

बताया जा रहा है कॉलेज में जिस दिन छात्रा के साथ छेड़छाड़ हुई, उस दिन उसकी रूम पार्टनर वहां मौजूद नहीं थी। पुलिस का कहना है कि इस मामले में कुछ सबूत मिले हैं। आरोपी जल्द गिरफ्त में होगा।

छात्रों ने एबीवीपी के साथ मिलकर किया चक्काजाम : बुधवार को मेडिकल स्टूडेंट्स को दोनों वारदात के बारे में जानकारी लगी। सुबह करीब 10 बजे वे इकट्ठे होकर कॉलेज पहुंचे। प्रदर्शन करने लगे। एबीवीपी के लोग भी पहुंच गए। प्रदर्शनकारी अस्पताल संचालक को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे थे। उन्होंने चक्काजाम कर दिया। सूचना मिलते ही बीएनपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। विद्यार्थियों को समझाने का प्रयास किया लेकिन वे नहीं माने।

करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा। उज्जैन की तरफ से आने वाले वाहनों को शिप्रा-उज्जैन-बायपास से इंदौर रोड की तरफ डायवर्ट करना पड़ा। इसके बाद एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया की समझाइश पर विद्यार्थियों ने जाम हटा लिया। वे सर्विस रोड पर जाकर बैठ गए।

अस्पताल संचालक से झूमाझटकी, कार रोकी: हंगामा थमता नहीं देखकर अस्पताल संचालक सुरेश भदौरिया और उनके बेटे व प्रबंधक मयंकराज भदौरिया मौके पर पहुंचे। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने उनकी कार को कॉलेज परिसर में नहीं जाने दिया। उनके साथ झूमाझटकी की।

छात्रों ने आरोप लगाया कि सुबह से दोपहर तक चले पूरे घटनाक्रम के दौरान अस्पताल के अधिकारी-कर्मचारी बार-बार उन्हें धमकाते रहे। यूनिवर्सिटी डायरेक्टर सुनील सेंगर विद्यार्थियों से कह रहे थे, अगर अंदर नहीं आओगे तो डिग्री हमें ही देना है, ध्यान रखना। गर्ल्स हॉस्टल वार्डन रोशनी को बर्खास्त करने के बाद ही प्रदर्शन खत्म हो पाया।